PLANET NEWS INDIA
हर खबर सच के साथ
Follow us on:/
निर्भय कुमार सेंगर
(संस्थापक एवं प्रधान संपादक)
01

प्लैनेट न्यूज़ इंडिया

हर खबर सच के साथ
भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त
RNI No.- UPHIN/25/A4228
(भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा विज्ञापनों हेतु मान्यता प्राप्त)

■ वर्ष : 01 ■ अंक : 01 ■अलीगढ, शनिवार 22 अगस्त 2026 ■ पृष्ठ : 8 ■ मूल्य : 1/-रुपया www.planetnewsindia.com

तेलंगाना की फार्मा यूनिट में भीषण हादसा: रिएक्टर फटने से दो की मौत, नौ झुलसे; शिफ्ट बदलते वक्त हुई दुर्घटना

तेलंगाना के यादाद्रि भुवनगिरी जिले में एक फार्मा कंपनी में रिएक्टर फटने की घटना में दो कर्मचारियों की मौत हो गई, जबकि नौ अन्य घायल हो गए। तेलंगाना के यादाद्रि-भुवनगिरी जिले के पोचमपल्ली मंडल के डोटिगुडेम गांव स्थित हेजेलो लैब प्राइवेट लिमिटेड में हुए जोरदार धमाके के बाद दो लोगों की मौत हो गई, जबकि नौ अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है, जबकि घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

रात करीब 10:30 बजे मिली धमाके की सूचना

दमकल विभाग के एक अधिकारी के अनुसार, 'रात करीब 10:30 बजे स्थानीय लोगों ने फोन कर सूचना दी कि एक फार्मा कंपनी में धमाका हुआ है। सूचना मिलते ही चौटुप्पल से एक दमकल वाहन और अन्य स्थानों से दो दमकल वाहन मौके पर पहुंचे।'

डोटिगुडेम गांव की फार्मा यूनिट में हुआ हादसा

अधिकारी ने बताया कि यह घटना यादाद्रि-भुवनगिरी जिले के पोचमपल्ली मंडल के डोटिगुडेम गांव स्थित हेजेलो लैब प्राइवेट लिमिटेड में हुई। धमाके के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। राहत एवं बचाव दल ने घटनास्थल पर पहुंचकर स्थिति को संभाला।

दो की मौत, नौ गंभीर रूप से घायल

दमकल अधिकारी ने बताया,'इस हादसे में दो लोगों की जान चली गई, जबकि नौ अन्य गंभीर रूप से घायल हुए हैं। सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है।' मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

शिफ्ट बदलने के दौरान हुआ हादसा

पुलिस के मुताबिक, यह घटना शुक्रवार देर रात हुई। हादसे के बाद पोचमपल्ली मंडल स्थित फार्मा यूनिट में आग लग गई। जिस समय रिएक्टर में विस्फोट हुआ, उस समय कर्मचारी अपनी शिफ्ट बदल रहे थे।

धमाके की वजह जानने में जुटी जांच टीम

दमकल अधिकारी के मुताबिक, घटना के कारणों की जांच की जा रही है। जांच पूरी होने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि धमाका किस वजह से हुआ और इसमें किन परिस्थितियों में दो लोगों की जान गई तथा नौ अन्य घायल हुए।

Bihar News: अनियंत्रित बस ने पांच की जान ली, पांच गंभीर; हाइवे किनारे ऑर्केस्ट्रा देख रहे थे, तभी आ गई मौत

Bihar Road Accident: पश्चिम चंपारण के बेतिया-लौरिया मुख्य मार्ग NH-727 पर शुक्रवार देर रात तेज रफ्तार शाही बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे छठिहार समारोह में ऑर्केस्ट्रा देख रहे लोगों की भीड़ में जा घुसी। हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य घायल हैं। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।पश्चिम चंपारण जिले के बेतिया-लौरिया मुख्य मार्ग NH-727 पर शुक्रवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा बसवरिया और पराउटोला के बीच रात करीब 11 बजे हुआ। बताया जा रहा है कि गोरखपुर से बेतिया की ओर जा रही तेज रफ्तार शाही बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे छठिहार समारोह में आयोजित ऑर्केस्ट्रा कार्यक्रम देख रहे लोगों की भीड़ में जा घुसी। अचानक हुए इस हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

छठिहार समारोह में लगा था ऑर्केस्ट्रा

जानकारी के अनुसार, धर्मेंद्र दुबे के घर पर शुक्रवार को छठिहार समारोह का आयोजन किया गया था। उनका घर NH-727 के किनारे स्थित है। समारोह के दौरान घर के बाहर ऑर्केस्ट्रा कार्यक्रम रखा गया था। कार्यक्रम देखने के लिए आसपास के कई लोग सड़क किनारे जुटे हुए थे। इसी दौरान लौरिया की ओर से बेतिया जा रही शाही बस तेज रफ्तार में वहां पहुंची और अचानक अनियंत्रित होकर लोगों की भीड़ में जा घुसी। बस की चपेट में आने से कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

सामने से आ रहा था गैस सिलेंडर लदा ट्रक

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसे के वक्त बेतिया की ओर से गैस सिलेंडर लदा एक ट्रक भी आ रहा था, जबकि दूसरी ओर से शाही बस बेतिया की तरफ जा रही थी। इसी दौरान बस चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया और बस सड़क किनारे खड़े लोगों को कुचलते हुए आगे निकल गई। हादसा इतना भीषण था कि घटनास्थल पर ही दो लोगों की मौत हो गई।

अस्पताल पहुंचते-पहुंचते बढ़ा मौत का आंकड़ा

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग बड़ी संख्या में मौके पर पहुंच गए और राहत-बचाव कार्य शुरू किया।

गंभीर रूप से घायल लोगों को आनन-फानन में अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल में इलाज के दौरान तीन और घायलों ने दम तोड़ दिया। इस तरह हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर पांच हो गई। वहीं पांच अन्य घायलों का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

पांच परिवारों में पसरा मातम

मृतकों की पहचान संजय महतो, भोला दुबे, बहादुर महतो, देवेंद्र दुबे और छांगुर राम के रूप में हुई है। हादसे की खबर मिलते ही मृतकों के घरों में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस भी मौके पर पहुंची और दुर्घटना की जांच शुरू कर दी।

तेज रफ्तार बनी हादसे की वजह?

स्थानीय लोगों के अनुसार, NH-727 पर वाहनों की तेज रफ्तार के कारण अक्सर हादसे की आशंका बनी रहती है। समारोह के दौरान सड़क किनारे बड़ी संख्या में लोगों के मौजूद होने के बावजूद अचानक बस के भीड़ में घुस जाने से कई परिवारों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। पुलिस प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार को हादसे की संभावित वजह मानकर मामले की जांच कर रही है। हालांकि, दुर्घटना के वास्तविक कारणों का पता विस्तृत जांच के बाद ही चल सकेगा। पुलिस ने घटना से जुड़े तथ्यों और परिस्थितियों की जांच शुरू कर दी है। हादसे के बाद कुछ देर के लिए NH-727 पर भी अफरा-तफरी की स्थिति बनी रही।

Aligarh News: भवनों पर लगेंगे क्यूआर कोड, घर बैठे जमा होगा संपत्ति कर

केंद्र सरकार के डिजिटल इंडिया अभियान के तहत अलीगढ़ नगर निगम अगले सप्ताह से सभी दो लाख 60 हजार भवनों पर क्यूआर कोड और आरएफआईडी टैग लगाने जा रहा है। क्यूआर कोड के उपयोग से लोग घर बैठे संपत्ति कर जमा कर सकेंगे। इसके माध्यम से प्रत्येक संपत्ति का डिजिटल डेटाबेस तैयार किया जाएगा। संपत्ति स्वामी को टैक्स और बिल जमा करने की स्थिति की जानकारी आसानी से मिल सकेगी। नगर निगम के अधिकारी भी क्यूआर कोड स्कैन कर भवन स्वामी और संपत्ति से संबंधित आवश्यक विवरण देख सकेंगे। इस तकनीक से संपत्ति मालिकों की पहचान आसान होगी और कर चोरी रोकने में मदद मिलेगी। इससे टैक्स व्यवस्था में पारदर्शिता बढ़ाने और टैक्स चोरी रोकने में मदद मिलने की उम्मीद है। नगर आयुक्त प्रेमप्रकाश मीणा ने बताया कि यह पहल नगरीय क्षेत्र के 90 वार्डों में संपत्ति कर संग्रहण, घर-घर कूड़ा संग्रहण और नगर निगम के जुर्माने की व्यवस्था को आधुनिक बनाने के उद्देश्य से की जा रही है। उन्होंने शुक्रवार को अर्बन कंपनी, सुखमा कंपनी और नगर निगम की तकनीकी टीम के साथ एक समीक्षा बैठक की। उन्होंने अगले सात दिनों में इस व्यवस्था को जमीनी स्तर पर लागू करने के निर्देश दिए। महापौर प्रशांत सिंघल ने कहा कि डिजिटल इंडिया के लक्ष्य को आगे बढ़ाने के लिए नगर निगम आधुनिक तकनीक का उपयोग कर रहा है।

बैठक में उप नगर आयुक्त अमित कुमार सिंह, प्रभारी नगर स्वास्थ्य अधिकारी रामानंद त्यागी आदि मौजूद थे।

700 कूड़ा वाहनों की होगी डिजिटल निगरानी

सफाई व्यवस्था को भी क्यूआर व आरएफआईडी टैग आधारित प्रणाली से जोड़ा जाएगा। नगर निगम के 90 वार्डों में संचालित करीब 700 टेंपो, ई-रिक्शा और साइकिल रिक्शा की डिजिटल पहचान तय की जाएगी। प्रत्येक कूड़ा संकलन वाहन पर आरएफआईडी टैग लगाया जाएगा, जिससे उसके निर्धारित रूट और क्षेत्र में संचालन की निगरानी की जा सकेगी। यदि किसी मोहल्ले में डोर-टू-डोर कूड़ा संग्रहण नहीं होता है तो शिकायत मिलने पर संबंधित वाहन और उसके निर्धारित रूट की डिजिटल जानकारी की जांच की जा सकेगी।

Pellet Gun Case: FIR के लिए 30 दिन और 7 घंटे का धरना; पैलेट गन केस में चिदंबरम का दिल्ली पुलिस पर हमला

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद पी. चिदंबरम ने पैलेट गन से घायल होने के मामले में प्राथमिकी दर्ज करने में हुई देरी को लेकर दिल्ली पुलिस पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि यह प्राथमिकी दर्ज करने को लेकर सुप्रीम कोर्ट के स्पष्ट निर्देशों का उल्लंघन है। सीजेपी प्रदर्शन के दौरान जंतर-मंतर पर पुलिस की कार्रवाई में पैलेट गन से घायल होने का आरोप लगाने वाले साहिल लोचाव की शिकायत पर दिल्ली पुलिस ने 30 दिन बाद प्राथमिकी दर्ज की। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद पी. चिदंबरम ने पैलेट गन से घायल होने के मामले में प्राथमिकी दर्ज करने में हुई देरी को लेकर दिल्ली पुलिस पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि पीड़ित की शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज कराने में 30 दिन लग गए और इसके लिए लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को सात घंटे तक धरने पर बैठना पड़ा। यह प्राथमिकी दर्ज करने को लेकर सुप्रीम कोर्ट के स्पष्ट निर्देशों का उल्लंघन है। वहीं, राहुल गांधी ने दावा किया कि एम्स की रिपोर्ट में लोचाव के शरीर में 200 से अधिक छर्रे और आंख में तीन छर्रे होने की बात सामने आई है।

चिदंबरम ने उठाए प्राथमिकी में देरी पर सवाल

चिदंबरम ने शनिवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट के जरिए प्राथमिकी दर्ज करने में हुई देरी पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा तय कानून के मुताबिक हर शिकायत पर प्राथमिकी तुरंत दर्ज की जानी चाहिए। लोकसभा में विपक्ष के नेता के सात घंटे के धरने के बाद दिल्ली में पीड़ित की शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज की गई। इसमें 30 दिन लग गए। यह तब है, जब सुप्रीम कोर्ट का स्पष्ट कानून है कि हर शिकायत पर तुरंत प्राथमिकी दर्ज की जानी चाहिए। मैं पीड़ित साहिल लोचाव को उनके धैर्य और लगातार प्रयास के लिए बधाई देता हूं और विपक्ष के नेता राहुल गांधी को सत्याग्रह की ताकत साबित करने के लिए बधाई देता हूं।

राहुल गांधी के धरने के बाद दर्ज हुई प्राथमिकी

दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार को पैलेट गन से घायल होने के मामले में प्राथमिकी दर्ज की। यह कार्रवाई संसद मार्ग पुलिस थाने के बाहर राहुल गांधी के धरने के बाद हुई। राहुल गांधी ने साहिल लोचाव की शिकायत पर कार्रवाई और प्राथमिकी दर्ज करने की मांग को लेकर यह विरोध-प्रदर्शन किया था।

किन धाराओं में दर्ज हुआ मामला?

पुलिस ने इस मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 118 और 125 के तहत मामला दर्ज किया है। धारा 118 खतरनाक हथियार या साधन के जरिए जानबूझकर चोट या गंभीर चोट पहुंचाने से संबंधित है, जबकि धारा 125 ऐसे कृत्यों से जुड़ी है, जिनसे किसी व्यक्ति के जीवन या व्यक्तिगत सुरक्षा को खतरा पैदा होता है।

20 जुलाई को कनॉट प्लेस में पैलेट गन चलने का आरोप

पीड़ित साहिल लोचाव ने आरोप लगाया था कि 20 जुलाई को कनॉट प्लेस में पैलेट गन से गोलीबारी के दौरान वह घायल हुए थे। उनका कहना है कि चोट लगने के बावजूद उनकी शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज नहीं की जा रही थी। लोचाव के मुताबिक, उनका इलाज एम्स में हुआ और उनकी शल्य चिकित्सा भी की गई, लेकिन इसके बावजूद उनकी एक आंख की रोशनी प्रभावित हुई है। उन्होंने पुलिस से घटना की जांच कर कार्रवाई करने की मांग की थी।

राहुल गांधी ने पूछा- आखिर पैलेट गन चलाई किसने?

राहुल गांधी ने प्राथमिकी दर्ज करने में हुई देरी पर सवाल उठाते हुए कहा कि एम्स की रिपोर्ट में साहिल लोचाव के शरीर के अंदर 200 से अधिक छर्रे और उनकी आंख में तीन छर्रे होने की बात सामने आई है। उन्होंने कहा, '20 जुलाई को कनॉट प्लेस में पैलेट गन का इस्तेमाल किया गया। एम्स की रिपोर्ट साफ तौर पर कहती है कि उसके शरीर के अंदर 200 से ज्यादा छर्रे हैं और उसकी आंख में तीन छर्रे हैं। उसकी उस आंख की रोशनी चली गई है। उसके दिल के पास भी छर्रे हैं, जिन्हें निकाला नहीं जा सकता। दिल्ली पुलिस कहती है कि उन्होंने पैलेट गन नहीं चलाई। तो सवाल सिर्फ एक है- इसे किसी न किसी ने तो चलाया होगा।' घटना में अपराध हुआ है और इसकी जांच होनी चाहिए।

साहिल लोचाव ने राहुल गांधी का जताया आभार

साहिल लोचाव ने अपनी मांग का समर्थन करने और प्राथमिकी दर्ज कराने के लिए दबाव बनाने पर राहुल गांधी का आभार जताया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता के हस्तक्षेप के बिना शायद प्राथमिकी दर्ज नहीं हो पाती। यह मामला ऐसे समय सामने आया है, जब प्राथमिकी दर्ज करने में हुई देरी को लेकर पुलिस की भूमिका पर सवाल उठ रहे हैं। चिदंबरम ने भी इसी मुद्दे को उठाते हुए सुप्रीम कोर्ट के उस निर्देश का हवाला दिया, जिसमें संज्ञेय अपराध की शिकायत मिलने पर प्राथमिकी दर्ज करने की प्रक्रिया को लेकर स्पष्ट व्यवस्था दी गई है।

राजा महेंद्र प्रताप सिंह विश्वविद्यालय: तालाबंदी-प्रदर्शन पर छात्र निष्कासित, कैंपस में आने पर रोक

लोकेश तिवारी ने 3, 5 और 19 अगस्त को धर्म समाज महाविद्यालय और एसवी कॉलेज के एलएलबी व बीएएलएलबी छात्रों के साथ विश्वविद्यालय में धरना-प्रदर्शन और तालाबंदी की। अलीगढ़ के राजा महेंद्र प्रताप सिंह विश्वविद्यालय प्रशासन ने बीए तृतीय सेमेस्टर के छात्र लोकेश तिवारी को अनुशासनहीनता और विश्वविद्यालय के शैक्षणिक व प्रशासनिक कार्यों में व्यवधान डालने के आरोप में एक माह के लिए विश्वविद्यालय से निष्कासित कर दिया है। प्रशासन ने उनके विश्वविद्यालय परिसर में प्रवेश पर भी रोक लगा दी है। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार लोकेश तिवारी ने 3, 5 और 19 अगस्त को धर्म समाज महाविद्यालय और एसवी कॉलेज के एलएलबी व बीएएलएलबी छात्रों के साथ विश्वविद्यालय में धरना-प्रदर्शन और तालाबंदी की।

आरोप है कि उन्होंने छात्रों को प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया, जिससे विश्वविद्यालय के कार्यों में बाधा उत्पन्न हुई। लोकेश तिवारी के छात्रावास में बार-बार जाने और छात्रों के समूह के साथ वहां पहुंचने से भोजन व्यवस्था और छात्रों की पढ़ाई प्रभावित होने की शिकायतें मिली थीं। छात्रावास के छात्रों, वार्डन और सह-वार्डन की ओर से भी इस संबंध में लिखित रूप से अवगत कराया गया। छात्र लोकेश तिवारी के आचरण में सुधार नहीं हुआ और भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं में उनकी दोबारा संलिप्तता पाई गई तो उन्हें स्थायी रूप से विश्वविद्यालय से निष्कासित किया जा सकता है।-प्रबुद्ध सिंह, कुलसचिव, आरएमपीयू

Aligarh News: सुबह से रात तक बिजली कटौती से परेशान रहे लोग

शहर में शुक्रवार को बिजली आपूर्ति व्यवस्था दिनभर प्रभावित रही। सुबह से लेकर देर रात तक अलग-अलग इलाकों से बिजली गुल रहने और लो-वोल्टेज की शिकायतें सामने आती रहीं। बिजली न आने से लोगों को पेयजल संकट का भी सामना करना पड़ा। रघुवीरपुरी में बृहस्पतिवार रात से ही बिजली बार-बार जाने की शिकायत मिली। सुबह करीब साढ़े चार बजे क्षेत्र की बिजली पूरी तरह गुल हो गई। शिवपुरी में भी सुबह बिजली आपूर्ति ठप रही। लाल डिग्गी बिजलीघर से जुड़े मैरिस रोड फीडर क्षेत्र में भी आपूर्ति बाधित रहने की शिकायत सामने आई। लोगों का कहना था कि रात में भी करीब दो से तीन घंटे बिजली नहीं आई थी। इसके अलावा चौधरी विहार-रामघाट रोड, रावण टीला और किला बिजलीघर से जुड़े नगला पटवारी क्षेत्र में भी बिजली आपूर्ति प्रभावित रही। शाम होते-होते सारसौल क्षेत्र में भी बिजली संकट गहरा गया। राधाजी पुरम, वैशालीपुरम और ऐलमपुर, गूलर रोड, मित्र नगर में लोगों ने तीन से चार घंटे से

बिजली न आने की शिकायत की। अधीक्षण अभियंता शहरी अंशुमान यादव का कहना है कि कुछ स्थानों पर फॉल्ट के चलते आपूर्ति प्रभावित हुई थी।

दोस्त का कत्ल, लाश के 5 टुकड़े: सिर,धड़ और हाथ-पैर किए अलग, प्लास्टिक के बोरे में पैक कर इसलिए गोबर में दबाया

वाराणसी से दिल दहलाने वाला मामला सामने आया है। छह अगस्त से लापता युवक की हत्या की गई थी। दोस्त उसके दोस्तों ने ही की थी। आरोपियों ने युवक की गला काटकर हत्या की थी। इसके बाद लाश के पांच टुकड़े किए। फिर शव को बोरे में भरकर गोबर के गड्ढे में फेंक दिया। दो सगे भाइयों समेत तीन आरोपी पुलिस ने गिरफ्तार किए हैं।वाराणसी से सनसनीखेज मामला सामने आया है। वाराणसी के सिगरा थाना इलाके के शिवपुरवा से छह अगस्त से लापता ईशू कन्नौजिया (19) की उसके तीन दोस्तों ने ही गला काटकर हत्या कर दी थी। पुलिस ने शुक्रवार की रात आरोपियों प्रदीप और उसके सगे भाई रामकृष्ण, मित्र रोहित को गिरफ्तार करके

वारदात का खुलासा किया। ईशू का शव पांच टुकड़ों में करके प्लास्टिक के बोरे में भरकर गोबर भरे गड्ढे में फेंका गया था। आरोप है कि पिटाई का बदला लेने के लिए दोस्तों ने सात अगस्त को वारदात को अंजाम दिया और रात में शव को ठिकाने लगाया था। आरोपियों की निशानदेही पर लहरतारा मार्ग स्थित खखड़िया पोखरी के पास रेलवे के खंडहरनुमा क्वार्टर के पास गोबर के गड्ढे से प्लास्टिक के बोरे में भरे गए शव को शुक्रवार की रात बरामद किया गया। आरोपियों ने पुलिस को बताया कि शराब पिलाने के बाद ईशू की हत्या की थी। चापड़ से पांच टुकड़े में शव को काटा गया था। शिवपुरवा क्षेत्र निवासी ईशू कन्नौजिया छह अगस्त की शाम को घर से निकला था लेकिन रात तक नहीं लौटा।

परिजन ने 17 अगस्त को थाने में दी थी तहरीर

वह अक्सर रात में घर नहीं आता था इसलिए परिजनों ने उस दिन बहुत खोजबीन नहीं की। अगले दिन दोपहर तक नहीं आया, तो परिजन परेशान हो गए। इस बीच परिजनों ने उसके दोस्तों से पता किया। रिश्तेदारी में भी खोजबीन कराई लेकिन कहीं से सुराग नहीं मिल सका।

यूट्यूब पर देखा हत्या का तरीका

पुलिस ने बताया कि ईशू के दोस्तों ने हत्या के बाद बड़े ही सफाई से शव को ठिकाने लगाया। ऐसी जगह चुनी जहां किसी को शंका तक न हो सके। गोबर के गड्ढे में शव को प्लास्टिक के बोरे में भरकर फेंका गया ताकि आसपास के लोगों को दुर्गंध न महसूस हो सके।जब लोग गुजरे तो उन्हें गोबर की दुर्गंध महसूस हो। प्रदीप ने यूट्यूब पर ये तरीका देखा था। प्रदीप ने पुलिस को बताया कि ईशू को वह काफी दिनों से जानता था। ईशू हमेशा उस पर धौंस जमाता था

प्रदीप ने चापड़ से ईशू का गला काटा, सिर और धड़ अलग किए

दस दिन से ज्यादा समय बीतने के बाद परिजनों ने 17 अगस्त को सिगरा थाने में तहरीर दी। थाने की पुलिस ने गुमशुदगी की प्राथमिकी दर्ज करके जांच शुरू कर दी। सिगरा इंस्पेक्टर ने बताया कि प्रदीप और रामकृष्ण उर्फ रामकिशन दोनों सगे भाई हैं। जबकि रोहित उनका मित्र है। पूछताछ में रोहित और रामकृष्ण ने बताया कि तीन अगस्त को शराब पीने के दौरान ईशू ने प्रदीप की पिटाई कर दी थी। इस पिटाई से प्रदीप आहत था। प्रदीप ने बदला लेने की नियत से ईशू की हत्या की साजिश रची। छह अगस्त की रात में ईशू को बुलाया गया। सात अगस्त को दिन में उसे लेकर सभी लहरतारा-महमूरगंज पानी टंकी के पास रेलवे के खंडहरनुमा क्वार्टर गए। ईशू को खूब शराब पिलाई गई। इसके बाद तीनों ने ईशू की पिटाई की। रोहित और रामकृष्ण ने ईशू के दोनों हाथ पकड़े और प्रदीप ने चापड़ से उसका गला काट दिया। सिर और धड़ दोनों अलग-अलग कर दिए। बताया जा रहा है कि हाथ-पैर भी अलग किए थे। दोपहर 1:30 बजे घटना को अंजाम दिया गया। शव को पांच टुकड़े में काटने के बाद प्लास्टिक के बोरे में शव को तीनों ने भरा।

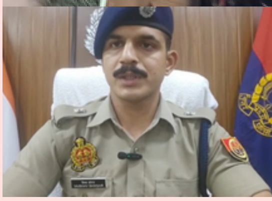

ईशू पर दर्ज थे 5 आपराधिक मामले

सिगरा इंस्पेक्टर शिवाकांत मिश्रा ने बताया कि ईशू मनबढ़ किस्म का था। उस पर सिगरा और भेलूपुर थाने में मारपीट समेत अन्य आरोपों में पांच प्राथमिकी दर्ज थी। उधर, घटना की जानकारी मिलते ही शिवपुरवा में ईशू के परिजनों में कोहराम मच गया। एहतियातन थाने की फोर्स तैनात की गई। रात में डीसीपी काशी, एडीसीपी समेत अन्य अधिकारियों ने घटना के बाबत जानकारी ली।

प्रदीप की अंतिम कॉल से खुला राज, सीसीटीवी कैमरों की फुटेज ने भी फंसाया

सिगरा इंस्पेक्टर शिवाकांत मिश्रा ने एक टीम गठित करके ईशू के मोबाइल की सीडीआर निकलवाई। ईशू के फोन पर अंतिम कॉल शिवपुरवा के रहने वाले दोस्त प्रदीप की थी। इसी आधार पर पुलिस ने प्रदीप को उठाय लिया।प्रदीप ने शुरू में पुलिस को बरगलाने का प्रयास किया लेकिन सर्विलांस और सीसीटीवी कैमरों की फुटेज के आधार पर पुलिस ने सख्ती दिखाई। इसके बाद प्रदीप ने स्वीकारा कि ईशू की चापड़ से गला काटकर हत्या कर दी गई।शव को प्लास्टिक के बोरे में भरकर फेंका गया है। शुक्रवार की रात 10 बजे सिगरा पुलिस ने शव को बरामद किया। प्लास्टिक के बोरे को खुलवाया गया तो गोबर की वजह से शव सड़-गल चुका था। शव को मंडलीय अस्पताल कबीरचौरा स्थित मुर्दाघर में रखवा दिया गया।

छह अगस्त से लापता ईशू की 17 अगस्त को गुमशुदगी परिजनों ने सिगरा में दर्ज कराई थी। पुलिस की एक टीम ने छानबीन की है। दोस्त प्रदीप ने ही उसे बुलाया और शराब पिलाने के बाद उसकी हत्या कर दी। प्रदीप, उसके भाई रामकिशन और दोस्त रोहित को गिरफ्तार कर लिया गया है। -वैभव बांगर, **एडीसीपी काशी जोन**

प्यार, शादी-शक और कत्ल:

5 साल पहले गर्भपात, इसलिए पत्नी संग बहन को भी मारा; डबल मर्डर और सुसाइड की पूरी कहानी

लखनऊ के डबल मर्डर और सुसाइड केस में पोस्टमार्टम रिपोर्ट में बड़ा खुलासा हुआ है। मानस, उसकी पत्नी दिव्या और बहन तूलिका के शव का शुक्रवार को डॉक्टरों के पैनल से पोस्टमार्टम कराया गया। दिव्या, तूलिका के सिर में गोली फंसी मिली। मानस के सिर से गोली आरपार हो गई थी।

जांच में यह भी सामने आया है कि गर्भपात के बाद मानस और दिव्या के रिश्तों में खटास आई थी। गर्भपात के बाद से दोनों गुमसुम रहने लगे थे। माता-पिता की मौत से मानस की बहन तूलिका अवसाद में चली गई थी।लखनऊ में हुए तिहरे हत्याकांड और आत्महत्या मामले की पोस्टमार्टम रिपोर्ट ने कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। प्रारंभिक जांचों से पता चला है कि यह गंभीर घटना पारिवारिक कलह और वित्तीय विवादों का परिणाम थी। घटना में मारे गए मानस, उसकी पत्नी दिव्या और बहन तूलिका के शवों का डॉक्टरों के पैनल द्वारा विस्तृत पोस्टमार्टम कराया गया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार, दिव्या और तूलिका के सिर में गोली फंसी पाई गई, जबकि मानस के सिर से गोली आरपार हो गई थी। दिव्या के चेहरे और सिर पर चोट के छह निशान भी मिले हैं, जो घटना की गंभीरता को दर्शाते हैं।

सूत्रों के अनुसार, 18 अगस्त को पारिवारिक न्यायालय में तलाक के मामले में सुनवाई के दौरान मानस और दिव्या के बीच गुजारा भत्ता (एलिमनी) को लेकर तीखी बहस हुई थी। इस विवाद से मानस इतना आहत हुआ कि उसने अपनी पत्नी और बहन की हत्या कर खुदकुशी करने की योजना बनाई। पुलिस की प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया है कि मानस ने इस भयानक घटना को अंजाम देने के लिए दो असलहे खरीदे थे।

पुलिस इस मामले की तह तक जाने के लिए दोनों पक्षों के वकीलों से संपर्क साध रही है। यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि 18 अगस्त को कोर्ट परिसर में ऐसी कौन सी घटना हुई, जिसके चलते मानस ने यह कदम उठाया। पुलिस कोर्ट परिसर में लगे सीसीटीवी फुटेज की भी बारीकी से जांच कर रही है ताकि दंपती के बीच हुई किसी भी प्रकार की कहासुनी या घटना का पता लगाया जा सके।दिव्या के बहनोई भरत यादव ने उसका शव ले जाकर बैकुंठ धाम पर अंतिम संस्कार किया, जहां सतीश चंद्र मिश्र ने अपनी बेटी को मुखाग्नि दी। वहीं, मानस और तूलिका के शवों के पोस्टमार्टम में देरी को लेकर परिजनों ने हंगामा किया, जिसे पुलिस ने हस्तक्षेप कर शांत कराया। शाम को मानस के मामा अवधेश को शव सौंपे गए, जिन्होंने देर शाम अंतिम संस्कार किया। इस दुखद घटना के बाद पोस्टमार्टम हाउस पर दोनों पक्षों के रिश्तेदार एक-दूसरे से दूरी बनाए हुए थे। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है।

दोनों पक्षों के वकीलों से पुलिस ने किया संपर्क

दिव्या ने पारिवारिक न्यायालय में वाद दायर किया था। 18 अगस्त को कोर्ट में सुनवाई थी। पुलिस पता लगा रही है कि आखिर 18 तारीख को ऐसा क्या हुआ, जिसके बाद से मानस ने यह कदम उठाया। पुलिस ने दोनों पक्षों के वकीलों से संपर्क किया है। जानकारी जुटाई जा रही है कि कोर्ट परिसर में दंपती के बीच कहासुनी तो नहीं हुई थी। पुलिस कोर्ट परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरे भी खंगाल रही है।

यूपी:लखनऊ में गोबर की छींटों के बीच बन रही थीं मिठाइयां, परिसर में 40-50 भैंसें बंधी थीं; बंद कराया प्रतिष्ठान

लखनऊ के काकोरी स्थित एक मिठाई प्रतिष्ठान में गंदगी और गोबर के बीच मिठाइयां बनती मिलीं। परिसर में बड़ी संख्या में भैंसें बंधी थीं। जांच में दूषित मिठाइयां, खराब घोल और अस्वच्छ व्यवस्था मिली। खाद्य सुरक्षा विभाग ने प्रतिष्ठान बंद कराया, सामग्री जब्त की और नमूने जांच के लिए भेजे।लखनऊ में काकोरी के हरदोईया लालनगर स्थित शिवाछी स्वीट में शुक्रवार को खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की टीम ने जांच के दौरान गंभीर अनियमितताएं पकड़ीं। यहां गंदगी के बीच मिठाइयां बनती मिलीं। परिसर में 40 से 50 भैंसें बंधी थीं और उनके गोबर की छींटें तैयार मिठाइयों पर पड़ रहे थे। इसके बाद विभाग ने प्रतिष्ठान को तत्काल बंद करा दिया।सहायक आयुक्त द्वितीय (खाद्य) विजय प्रताप सिंह ने बताया कि मौके से करीब 1000 लीटर मिठाई बनाने का घोल मिला, जिसमें मरी हुई मक्खियां पड़ी थीं। इसके अलावा 1,675 किलो मिठाइयां दूषित मिलीं। इनमें 1,000 किलो कलाकंद, 300 किलो डोडा बर्फी, 350 किलो चिकनी बर्फी और 25 किलो पेड़ा शामिल है। कुल 2,675 किलो दूषित खाद्य पदार्थ नष्ट कराने का निर्णय लिया गया। देर रात कार्रवाई पूरी होने के कारण सामग्री को कमरे में रखकर सील कर दिया गया, जिसे अगले दिन टीम की मौजूदगी में नष्ट किया जाएगा।

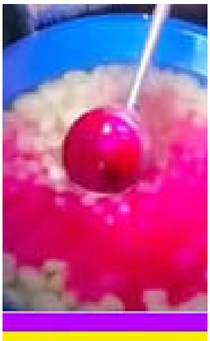

जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा जाएगा

टीम ने 686 किलो खाद्य सामग्री भी जब्त की, जिसकी कीमत 79,170 रुपये है। इसमें सूजी, स्किम्ड मिल्क पाउडर, बूंदी, मूंगफली, गरी लच्छा, फिटकरी और अन्य सामग्री शामिल है। इस मौके पर लिए गए 15 नमूनों को जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा जाएगा। जांच में करीब 25 कर्मचारी बिना एप्रेन, सिर ढकने वाले कपड़े और दस्ताने के काम करते मिले। उनका स्वास्थ्य परीक्षण भी नहीं कराया गया था। परिसर में खुली नाली और गंदा पानी मिला। विभाग ने संचालक संजीत कुमार को कारण बताओ नोटिस दिया है। संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर लाइसेंस निलंबित या निरस्त किया जाएगा।

China: दिन-रात काम फिर भी नहीं पल रहा परिवार, क्या चीन के गिग वर्कर्स का सपना टूट रहा? सरकार की नजरें टेढ़ी

चीन में आर्थिक दबाव, बेरोजगारी और कठिन कामकाजी हालात के बीच मजदूरों और गिग वर्कर्स की जिंदगी साहित्य का विषय बन रही है। फूड डिलीवरी और कूरियर का काम करने वाले श्रमिक अपनी परेशानियों को कविता और किताबों में लिख रहे हैं। यह साहित्य आम लोगों के बीच लोकप्रिय हो रहा है। सवाल है कि क्या इन रचनाओं में चीन की बदलती अर्थव्यवस्था और युवाओं की बढ़ती निराशा की असली तस्वीर दिखाई दे रही है?

चीन में आर्थिक दबाव और कठिन कामकाजी हालात अब केवल आंकड़ों या रोजगार के सवाल तक सीमित नहीं रह गए हैं। इनका असर वहां के श्रमिकों की लिखी कविताओं और किताबों में भी दिखाई देने लगा है। फूड डिलीवरी बॉय, कूरियर कर्मचारी और फैक्ट्री मजदूर अपनी रोजमर्रा की परेशानियों, कम आमदनी और परिवार से दूरी को साहित्य के जरिए सामने ला रहे हैं। यह श्रम साहित्य चीन के मध्य वर्ग और युवाओं के बीच भी जगह बना रहा है। इसकी वजह यह है कि बहुत से लोगों को इन रचनाओं में अपनी जिंदगी की झलक दिखाई देती है।

क्यों साहित्य में उतर रही है मजदूरों की मुश्किल जिंदगी?

- फूड डिलीवरी ड्राइवर रहे वांग जिबिंग की कविताएं चीन के श्रमिक जीवन की इसी तस्वीर को सामने रखती हैं।
- उनकी एक कविता में ऐसे डिलीवरी कर्मचारी की जिंदगी दिखाई गई है, जो दूसरे शहर में रहकर दिन-रात काम करता है।
- उसके लिए हर मिनट का मतलब एक और ऑर्डर पूरा करना है, लेकिन इतनी मेहनत के बाद भी परिवार की आर्थिक जरूरतें पूरी नहीं हो पातीं।
- घर से दूर रहने के कारण वह अपने बच्चे से भी दूर होता जाता है।
- यह कहानी अकेले एक व्यक्ति की नहीं मानी जा रही, बल्कि चीन में काम कर रहे कई प्रवासी मजदूरों और गिग वर्कर्स की स्थिति को दिखाती है।
- ऐसे श्रमिक साहित्य में आर्थिक दबाव, थकान, अपमान और बेहतर जीवन की अधूरी उम्मीद जैसे विषय लगातार सामने आ रहे हैं।

क्या गिग वर्कर्स और फैक्ट्री मजदूरों की आवाज अब दबाना मुश्किल हो रहा है?

चीन में कई मजदूर, डिलीवरी कर्मचारी और फैक्ट्री वर्कर अपनी वास्तविक जिंदगी को कहानियों और कविताओं में बदल रहे हैं। युवाओं में बेरोजगारी की ऊंची दर और बेहतर जीवन की उम्मीदों के कमजोर पड़ने से इस साहित्य की मांग बढ़ रही है। इन रचनाओं में वे कठिनाइयां सामने आती हैं, जिन्हें सरकारी नियंत्रण वाले मीडिया में बहुत कम जगह मिलती है। श्रमिक साहित्य के बढ़ते प्रभाव से चीन के अधिकारी भी इसके प्रति सतर्क बताए जा रहे हैं। इसकी खास वजह यह है कि ये रचनाएं किसी राजनीतिक भाषण की तरह नहीं, बल्कि सीधे उस व्यक्ति की जिंदगी से निकलती हैं जो रोज काम करता है, कमाता है और अपने परिवार को चलाने की कोशिश करता है।

कूरियर कर्मचारी की किताब कैसे बनी बेस्टसेलर?

प्रवासी श्रमिक हू अनयान ने कूरियर कर्मचारी समेत 19 अलग-अलग तरह के काम किए हैं। उन्होंने लॉजिस्टिक्स कंपनी में छंटनी करने वाले कर्मचारी, सुरक्षा गार्ड और सुविधा स्टोर कर्मचारी जैसे काम भी किए। इन नौकरियों के दौरान आए अनुभवों और संघर्षों को उन्होंने इंटरनेट पर निबंधों के रूप में लिखा। बाद में 2023 में इन्हीं अनुभवों पर आधारित किताब प्रकाशित हुई। किताब को लोकप्रियता मिली और उसका अंग्रेजी में अनुवाद भी हुआ। यह उदाहरण बताता है कि श्रमिकों की जिंदगी पर लिखी रचनाएं केवल साहित्यिक वर्ग तक सीमित नहीं हैं। आम पाठक भी इनमें अपनी या अपने आसपास के लोगों की जिंदगी पहचान रहा है। यही वजह है कि श्रम साहित्य चीन में एक बड़े सामाजिक अनुभव को आवाज देने वाला माध्यम बनता जा रहा है।

वांग जिबिंग को साहित्यिक सम्मान मिलने का क्या मतलब?

वांग जिबिंग की कविताओं को अब साहित्यिक दुनिया में भी गंभीरता से देखा जा रहा है। उनके कविता संग्रह 'लो फ्लाइट' को पिछले महीने प्रतिष्ठित लू शुन साहित्यिक पुरस्कार मिला। यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया में प्रोफेसर झू पिंग के अनुसार, चीनी लोगों की इस साहित्य में रुचि इसलिए बढ़ रही है क्योंकि उन्हें इसमें अपनी जिंदगी की सच्चाई दिखाई देती है। यही इस पूरे बदलाव का सबसे महत्वपूर्ण पहलू है। मजदूर अब केवल उत्पादन या डिलीवरी व्यवस्था का हिस्सा नहीं रह गए हैं, बल्कि अपनी कहानी खुद लिख रहे हैं। उनकी कविताएं और किताबें चीन में आर्थिक दबाव, काम की असुरक्षा और बेहतर जीवन की कमजोर होती उम्मीदों को सामने ला रही हैं। सवाल यह है कि जैसे-जैसे यह साहित्य और लोकप्रिय होगा, क्या चीन में श्रमिकों की वास्तविक स्थिति पर बहस भी उतनी ही तेजी से बढ़ेगी?

Explainer: नवाज शरीफ की 2019 वाली स्क्रिप्ट दोहरा रहे इमरान, क्या सरकार के साथ इलाज के नाम पर हो चुकी है डील?

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान जेल में हैं। उनके स्वास्थ्य को लेकर परिवार तथा उनकी पार्टी लगातार चिंता जता रही है। 18 अगस्त 2026 को सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें अस्पताल ले जाने का आदेश दिया और 20 अगस्त को सरकार ने कहा कि जरूरत पड़ी तो विदेश में इलाज की संभावना भी हो सकती है, लेकिन कानूनी प्रक्रिया जरूरी होगी। क्या यह घटनाक्रम 2019 में नवाज शरीफ को मिली मेडिकल राहत की याद दिलाता है? आइए, विस्तार से इस पूरे मामले को समझते हैं? इमरान खान किन मामलों में जेल गए थे? पाकिस्तान में अबतक कितने प्रधानमंत्री जेल जा चुके हैं? पाकिस्तान की राजनिति में ऐसा क्यों होता है? पाकिस्तान की राजनीति में जेल, अदालत और सत्ता का रिश्ता हमेशा बेहद उलझा हुआ रहा। अब पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के स्वास्थ्य को लेकर पैदा हुआ नया विवाद इसी पुराने राजनीतिक पैटर्न की याद दिला रहा है। 18 अगस्त 2026 को पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने जेल में बंद इमरान खान को अस्पताल ले जाने का आदेश दिया। इसके दो दिन बाद सरकार ने संकेत दिया कि अगर जरूरत पड़ी तो उन्हें इलाज के लिए विदेश भी भेजा जा सकता है, लेकिन इसके लिए कानूनी प्रक्रिया का पालन करना होगा। यही वजह है कि 2019 का नवाज शरीफ प्रकरण फिर चर्चा में आ गया। उस समय भी मामला जेल में बंद एक पूर्व प्रधानमंत्री की बिगड़ती सेहत से शुरू हुआ था। मेडिकल आधार पर राहत मिलने के बाद नवाज शरीफ को इलाज के लिए लंदन जाने की अनुमति मिली थी। उनकी मौजूदा चिकित्सा स्थिति तथा कानूनी स्थिति अलग है। इसलिए सवाल डील का कम और पाकिस्तान की उस राजनीतिक परंपरा का ज्यादा है। इसमें जेल में बंद बड़े नेताओं को स्वास्थ्य के आधार पर राहत मिलने के बाद सियासी समीकरण बदलते रहे हैं। चलिए पहले इतिहास में चलते हैं और जानते हैं कि नवाज शरीफ के साथ क्या हुआ था।

2019 में नवाज शरीफ के साथ क्या हुआ था?

नवाज शरीफ उस समय भ्रष्टाचार के एक मामले में जेल की सजा काट रहे थे। उनकी तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया और मेडिकल आधार पर राहत का रास्ता खुला। फरवरी 2019 में इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने मेडिकल आधार पर उनकी जमानत याचिका खारिज की थी, लेकिन बाद के महीनों में उनकी स्वास्थ्य स्थिति को लेकर मामला फिर गंभीर हुआ। अक्तूबर-नवंबर 2019 में उन्हें मेडिकल आधार पर जमानत मिली और इलाज के लिए विदेश जाने का रास्ता तैयार हुआ। नवंबर 2019 में पाकिस्तान सरकार ने नवाज शरीफ को इलाज के लिए चार सप्ताह के लिए विदेश जाने की एक बार की अनुमति दी थी

कनाडा पर फूटेगा ट्रंप का टैरिफ बम: US के साथ व्यापार वार्ता नाकामयाब, आज से कनाडाई उत्पादों पर लगेगा 50% शुल्क

अमेरिका और कनाडा के बीच व्यापारिक तनाव एक बार फिर बढ़ गया है। दोनों देशों के बीच अंतिम दौर की बातचीत के बावजूद प्रस्तावित व्यापार समझौते पर सहमति नहीं बन सकी। इसके बाद अमेरिकी प्रशासन कनाडा से आने वाले करीब 20 अरब डॉलर मूल्य के चुनिंदा सामान पर 50 प्रतिशत शुल्क लागू करने जा रहा है।

अमेरिका शनिवार तड़के कनाडा के करीब 20 अरब डॉलर मूल्य के उत्पादों पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाने वाला है। आखिरी समय में हुई बातचीत के बावजूद दोनों देशों के बीच व्यापार समझौते को लेकर सहमति नहीं बन सकी। इससे पहले से तनावपूर्ण संबंधों में और खटास बढ़ गई है। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीर ने शनिवार आधी रात से कुछ देर पहले पत्रकारों के साथ एक कॉल में पढ़े गए बयान में कहा, ''आज रात कनाडा ने इस सप्ताह की शुरुआत में तय शर्तों के तहत व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने से इनकार कर दिया। अमेरिका ने कनाडा को हमारे बाजार में किसी भी बड़े निर्यातक के मुकाबले सबसे बेहतर शर्तें देने की पेशकश की थी। इसके बावजूद कनाडा की नई मांगों और कुछ अन्य प्रतिबद्धताओं से पीछे हटने के कारण पिछले कुछ दिनों में बनाई गई संतुलित व्यवस्था बिगड़ गई।''

व्यापार समझौते को लेकर क्या बोले मार्क कार्नी?

कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने जवाब दिया, ''अमेरिका की प्रस्तावित शर्तों में आखिरी समय में किए गए बदलाव अनुचित और आर्थिक रूप से नुकसानदेह थे। उन्होंने किसी भी समझौते की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े कर दिए।''राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से लगाए जाने वाले आयात शुल्क से कनाडा से अमेरिका भेजे जाने वाले कुल उत्पादों में से करीब पांच प्रतिशत प्रभावित होंगे। इनमें हॉकी स्टिक से लेकर जीभ की जांच में इस्तेमाल होने वाली लकड़ी की छोटी छड़ियां तक शामिल हैं।

तीन दिन की समय सीमा बढ़ी, फिर भी नहीं बनी बात

हालांकि, इसका राजनीतिक असर आर्थिक नुकसान से भी बड़ा होने की संभावना है। पिछले साल दोनों देशों के बीच करीब 880 अरब डॉलर मूल्य की वस्तुओं और सेवाओं का कारोबार हुआ था। इन शुल्कों को शुरुआत में बुधवार रात 12 बजकर 1 मिनट से लागू किया जाना था। लेकिन ट्रंप ने बातचीत जारी रखने के लिए समय सीमा तीन दिन बढ़ा दी थी। इसके बावजूद दोनों देश तय समय तक किसी समझौते पर नहीं पहुंच सके।

Gaza Israel-Hamas Conflict: 5 साल की हिंद रजब जिस कार में थी, उस पर सैनिकों ने 355 गोलियां बरसाई थीं

इस्राइली सेना ने 934 दिन बाद पहली बार स्वीकारा है कि जनवरी 2024 में गाजा में पांच साल की फलस्तीनी बच्ची हिंद रजब और उसके परिवार को ले जा रही कार पर उसके सैनिकों ने ही गोलियां चलाई थीं। सैनिकों ने हिंद और उसके परिवार की कार पर 355 गोलियां चलाई थीं। यह घटना दुनियाभर में गहरा आक्रोश पैदा कर चुकी है और अब सेना ने इस मामले में आपराधिक जांच के आदेश दे दिए हैं। 29 जनवरी 2024 को गाजा शहर के तेल अल-हावा इलाके में हिंद रजब अपने छह परिजनों के साथ एक कार में यात्रा कर रही थी, तभी इस्राइली सेना ने कार पर गोलीबारी कर दी। हिंद और उसकी चचेरी बहन लायन को छोड़कर बाकी सभी की मौके पर ही मौत हो गई। लायन ने फलस्तीन रेड क्रिसेंट सोसाइटी की आपात सेवा को फोन किया और गोलियों व चीख-पुकार के बीच हालात बताती रही, तभी कॉल कट गई। इसके बाद हिंद ने खुद एक कॉल का जवाब दिया और अरबी भाषा में ऑपरेटर से कहा, टैंक मेरे बगल में है...डर लग रहा है, प्लीज आ जाओ। फिर गोलियों की आवाज गूंजी और कॉल अचानक कट गई।

बचाने पहुंची एंबुलेंस पर भी हुआ था हमला

फलस्तीन रेड क्रिसेंट सोसाइटी ने बच्चों को बचाने के लिए एक एंबुलेंस भी भेजी। इसकी जानकारी पहले ही इस्राइली सेना को दे दी गई। इसके बावजूद, इस्राइली सेना ने एंबुलेंस पहुंचने के बाद उस पर भी एक गोला दागा, जिसमें दो पैरामेडिक्स की मौके पर ही मौत हो गई। हिंद का शव तब मिला जब इस्राइली सैनिक इलाके से पीछे हटे। गोलियों से छलनी कार में हिंद, उसकी बुआ, चाचा और चार चचेरे भाई-बहनों के शव मिले।

सरकार ने इसके लिए एक क्षतिपूर्ति बांड की शर्त भी रखी थी। बाद में लाहौर हाईकोर्ट के आदेश के बाद विदेश जाने की प्रक्रिया आगे बढ़ी और नवाज शरीफ लंदन चले गए। उनके साथ उस समय उनके भाई शहबाज शरीफ भी थे। यानी 2019 का घटनाक्रम सीधे तौर पर जेल से शुरू होकर मेडिकल जांच, अदालत की राहत और फिर विदेश में इलाज तक पहुंचा था। आज इमरान खान के मामले में भी जेल से अस्पताल और फिर संभावित विदेश इलाज की बात सामने आई है। यही समानता दोनों मामलों को एक साथ देखने की वजह बन रही है।

क्या सरकार सच में इमरान को विदेश भेज सकती है?

यही इस पूरे मामले का सबसे अहम सवाल है। 20 अगस्त को पाकिस्तान सरकार ने संकेत दिया कि अगर इमरान खान के इलाज के लिए जरूरत पड़ी तो उन्हें विदेश भेजने की संभावना पर विचार किया जा सकता है। हालांकि सरकार ने साफ किया कि इसके लिए कानूनी प्रक्रिया का पालन करना होगा। यानी अभी ऐसा कोई फैसला नहीं हुआ है कि इमरान खान को लंदन या किसी दूसरे देश भेजा जा रहा है। सरकार की बात इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि जेल में बंद किसी बड़े राजनीतिक नेता को विदेश इलाज के लिए भेजना केवल मेडिकल फैसला नहीं रहता। इसमें अदालत, जेल प्रशासन, सरकार और सुरक्षा एजेंसियों की भूमिका भी जुड़ जाती है। नवाज शरीफ के मामले में भी विदेश जाने के लिए अदालत और सरकार के स्तर पर कई कानूनी कदम उठे थे। उनके लिए पहले मेडिकल आधार पर राहत मिली और फिर विदेश जाने की अनुमति की प्रक्रिया पूरी हुई थी। इसलिए इमरान के मामले में अभी सबसे सही बात यही है कि विदेश इलाज का विकल्प खुला बताया गया है, लेकिन उसे अंतिम फैसला नहीं माना जा सकता। अगर आगे अदालत या सरकार की ओर से औपचारिक अनुमति मिलती है, तभी इसे नवाज शरीफ वाले घटनाक्रम की अगली कड़ी माना जा सकेगा।

क्या इमरान और नवाज के मामलों में सचमुच समानता है?

- दोनों मामलों में पहली बड़ी समानता यह है कि दोनों पूर्व प्रधानमंत्री जेल में थे और स्वास्थ्य को लेकर गंभीर सवाल उठे। दोनों मामलों में मेडिकल जांच और अदालत की भूमिका सामने आई। दोनों मामलों में विदेश में इलाज की संभावना भी चर्चा में आई। लेकिन दोनों की कानूनी स्थिति बिल्कुल समान नहीं है। नवाज शरीफ को 2019 में विदेश जाने की अनुमति एक तय प्रक्रिया के तहत मिली थी, जबकि इमरान खान के मामले में अभी सरकार ने केवल जरूरत पड़ने पर विदेश इलाज की संभावना जताई है।
- दूसरी बड़ी बात यह है कि इमरान के खिलाफ इस समय भी कई कानूनी मामले और अपीलें चल रही हैं। एक मामले में वह 14 साल की सजा काट रहे हैं, जबकि कई अन्य मामलों में सजा निलंबित या फैसला पलटे जा चुके हैं। ऐसे में विदेश जाना केवल स्वास्थ्य का मामला नहीं होगा। यह कानूनी अनुमति और उनकी हिरासत की स्थिति से भी जुड़ा होगा।
- यही कारण है कि इमरान खान के समर्थक इसे राहत की शुरुआत के रूप में देख सकते हैं, लेकिन अभी इसे जेल से स्थायी बाहर निकलने का संकेत मानना ठीक नहीं होगा। अस्पताल जाना और विदेश में इलाज की अनुमति मिलना दो अलग-अलग बातें हैं।

सीएजी की रिपोर्ट में खुलासा: 14 लाख आयकर दाता भी ले रहे अटल पेंशन, अब बाहर होंगे

देशभर में चल रही अटल पेंशन योजना बड़ी गड़बड़ी का खुलासा हुआ है। नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) के अनुसार, इस योजना का लाभ लेने वालों में आयकर दाताओं के साथ ही दूसरी सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के लाभार्थी भी शामिल हैं।

दोहराव पर चिंता जताई

रिपोर्ट में अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना और प्रधानमंत्री किसान मानधन योजना के लक्ष्य समूहों में ओवरलैप यानी दोहराव पर चिंता जताई गई है। अटल पेंशन योजना का 2 करोड़ सब्सक्राइबर का शुरुआती लक्ष्य 5 साल की देरी से पूरा हुआ।

लेखापरीक्षा में हुआ खुलासा

सिंतबर 2022 तक इस योजना के कुल पंजीकृत ग्राहकों की संख्या 4 करोड़ से अधिक हो गई थी। लेखापरीक्षा में पाया गया कि योजना शुरू होने के बाद ऐसे सब्सक्राइबर या ग्राहकों की संख्या में काफी वृद्धि हुई जो या तो आयकरदाता थे।

क्या 14 लाख लोग दोहरा लाभ ले रहे?

सीएजी ने सरकार से ऐसे लोगों को योजना से बाहर करने और इसके लिए सेबी और बीमा नियामक की तरह एक एकल पेंशन नियामक तंत्र बनाने को कहा है। सीएजी की रिपोर्ट के अनुसार, इस योजना के लाभार्थियों में 14,14,947 आयकर दाता शामिल हैं, जबकि करीब 14 लाख ऐसे लोग भी हैं जो अन्य पेंशन या सामाजिक सुरक्षा योजना में शामिल होकर दोहरा लाभ ले रहे हैं।

पाम तेल बढ़ाएगा महंगाई: कम उत्पादन से कीमतें रिकॉर्ड स्तर पर, कीमतों में 14 फीसदी से अधिक उछाल

दुनिया के सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाले खाद्य तेलों में शामिल पाम ऑयल की कीमतों में तेज उछाल ने भारत की चिंता बढ़ा दी है। सबसे बड़े उत्पादक इंडोनेशिया की बायोडीजल नीति और दक्षिण-पूर्व एशिया में सूखे मौसम व उत्पादन को लेकर बढ़ती आशंकाओं के चलते अंतरराष्ट्रीय बाजार में पाम तेल की कीमतें करीब 20 महीनों के उच्च स्तर पर पहुंच गई हैं। इससे वैश्विक बाजार में तेजी का माहौल बन गया है। इसका सबसे बड़ा असर भारत जैसे आयात-निर्भर देशों पर पड़ सकता है।

होटलों और ढाबों में खाना होगा महंगा

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग में पाम तेल का उपयोग लंबे शेल्फ-लाइफ और कम लागत के कारण सबसे अधिक होता है। इसके महंगे होने से कंपनियों को कीमतें बढ़ानी पड़ेंगी या पैकेट का वजन घटाना पड़ेगा। साबुन बनाने के लिए मुख्य कच्चा माल पाम फैटी एसिड होता है।

आयात में पाम तेल की हिस्सेदारी कितनी?

भारत अपनी खाद्य तेल जरूरतों का लगभग 58-60 प्रतिशत आयात के जरिये पूरा करता है। आंकड़ों के अनुसार, तेल वर्ष 2024-25 में देश ने करीब 1.63 करोड़ टन खाद्य तेल का आयात किया, जिसमें पाम तेल की हिस्सेदारी लगभग 90 लाख टन रही। इंडोनेशिया और मलयेशिया भारत के लिए पाम तेल के सबसे बड़े आपूर्तिकर्ता हैं।

पाम तेल केवल रसोई तक सीमित नहीं

भारत दुनिया का सबसे बड़ा खाद्य तेल आयातक देश है और अपनी कुल जरूरत का करीब 60% हिस्सा विदेशों से मंगाता है। जुलाई 2026 में भारत का खाद्य तेल आयात 10 महीने के उच्च स्तर 14.8 लाख टन पर पहुंच गया, जिसमें अकेले पाम तेल का आयात करीब 7.31 लाख टन रहा। उत्पादन घटने या कीमतें बढ़ने का सीधा असर भारतीय बाजार पर पड़ना तय है। पाम तेल केवल रसोई तक सीमित नहीं है। इसका उपयोग बिस्कुट, नमकीन, बेकरी उत्पादों, रेस्तरां उद्योग, साबुन, डिटर्जेंट, शैंपू, कॉस्मेटिक्स में बड़े पैमाने पर किया जाता है।

प्याज एक हफ्ते में 11% महंगा: अगले माह से कम होंगे दाम, बफर स्टॉक से बिक्री शुरू होने पर घटेंगी प्याज के दाम

दक्षिण भारत से खरीफ फसल की आवक में देरी के बीच प्याज की सबसे बड़ी मंडी लासलगांव (महाराष्ट्र) में प्याज की थोक कीमतें उछलकर 35 रुपये प्रति किलो पर पहुंच गईं। व्यापारियों का कहना है कि देर से बुआई के कारण दक्षिण भारत से खरीफ प्याज की फसल की आवक में देरी होने से कीमतों पर दबाव बना हुआ है। राहत की बात यह है कि जल्द ही कीमतें जल्द नीचे आ सकती हैं।

कीमतों पर लगाम कसने की तैयारी

जमाखोरों पर शिकंजा कसने के लिए बफर स्टॉक से बिक्री शुरू करने की योजना तैयार की गई है। सरकार द्वारा सितंबर के पहले सप्ताह से बफर स्टॉक का प्याज बेचना शुरू करने की उम्मीद है। विभाग रोजाना प्याज की मांग, आपूर्ति और कीमत पर नजर रख रहा है।

प्याज की औसत कीमतों पर नजर

उपभोक्ता मामलों के विभाग के मुताबिक, 21 अगस्त को प्याज का औसत खुदरा मूल्य 40.72 रुपये प्रति किलो है। 17 अगस्त को यह 37.20 रुपये प्रति किलो था। एक महीने पहले 34.87 रुपये प्रति किलो था।

इस महीने कोई बड़ा त्योहार और विवाह सीजन नहीं है। ऐसे में प्याज की मांग सीमित है, लेकिन फिर भी कीमत बढ़ रही है, इसका मतलब है कि कृत्रिम रूप में प्याज का संकट पैदा किया जा रहा है। यही वजह है कि अभी बफर स्टॉक नहीं निकला जा रहा है।

जल्द ही सरकार कीमतों पर लगाम लगाने के लिए बफर स्टॉक से प्याज की बिक्री शुरू कर देगी। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ने पर इससे पहले भी बफर स्टॉक जनता के लिए खोला जा सकता है। देश में सालाना 3.10 करोड़ टन प्याज का उत्पादन होता है।

घर-घर पहुंचेगी डिजिटल मुद्रा : यूपी समेत 7 राज्यों में ई-रुपये से मिलेगा अनाज, अब सात राज्यों में होगा लागू

प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा आधारित प्रत्यक्ष लाभ अंतरण का गुजरात, पुडुचेरी, चंडीगढ़ और दादरा एवं नगर हवेली में सफल परीक्षण के बाद अब इसे उत्तर प्रदेश, दिल्ली, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, जम्मू-कश्मीर, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश में लागू करने की तैयारी है। देश में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून के तहत हर महीने करीब 78.85 करोड़ लाभार्थियों को 19,000 करोड़ रुपये का खाद्यान्न वितरित किया जाता है। सीबीडीसी आधारित खाद्य सब्सिडी वितरण पायलट पहली बार 15 फरवरी 2026 को गुजरात में और उसके बाद 26 फरवरी 2026 को पुडुचेरी में शुरू किया गया था। इन पायलट प्रोजेक्ट्स के अनुभवों और सीखों के आधार पर भारत सरकार ने 14 अगस्त को चंडीगढ़ और दादरा एवं नगर हवेली में इसकी शुरुआत की है।

क्या है केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा

केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी की जाने वाली आधिकारिक डिजिटल करेंसी है। यह जेब में रखे जाने वाले कागजी नोट या सिक्कों का ही डिजिटल स्वरूप है।

सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत देशभर में चल रही प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना में फर्जीवाड़ा, राशन कार्डों के घपले और सब्सिडी के लीकेज को रोकने के लिए केंद्र सरकार ने केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा (सीबीडीसी) आधारित प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) की बड़े पैमाने पर योजना बनाई है। इसके तहत, खाद्य सब्सिडी पारंपरिक बैंक खाते के बजाय सीधे लाभार्थी के डिजिटल रुपया वॉलेट में ट्रांसफर की जाएगी। इसके बाद लाभार्थी एक सुरक्षित और ट्रैक करने योग्य डिजिटल भुगतान तंत्र के माध्यम से सूचीबद्ध व्यापारियों व दुकानदारों से खाद्यान्न खरीदने के लिए इस उद्देश्य आधारित डिजिटल सब्सिडी का उपयोग कर सकेगा।

कैसे काम करेगी यह व्यवस्था?

स्मार्टफोन यूजर दुकान पर लगे क्यूआर कोड को स्कैन करेगा। दुकानदार का मार्जिन अलग और सरकार का हिस्सा तय खाते में स्वतः ट्रांसफर हो जाएगा। साधारण मोबाइल वाले यूजर्स को एसएमएस के जरिये ओटीपी आधारित वाउचर आएगा। दुकानदार जैसे ही सिस्टम में ओटीपी दर्ज करेगा, भुगतान पूरा हो जाएगा। अब तक राशन डीलर पर राशन खुले बाजार में बेचने के आरोप लगते थे। डिजिटल रुपये की रियल-टाइम ट्रैकिंग प्रणाली लीकेज, हेराफेरी को कम करने मदद करेगी। यदि कोई लाभार्थी एक निश्चित अवधि में अपना कूपन भुना नहीं पाता, तो वह स्वतः सरकारी खाते में लौट जाएगा, जिससे डीलर द्वारा पिछली तारीखों में फर्जी एंट्री बनाना असंभव होगा।क्या है केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी की जाने वाली आधिकारिक डिजिटल करेंसी है।

Explainer: अचानक क्यों महंगी हो रही चीनी? 65 रुपये किलो तक पहुंचा भाव; आपकी जेब पर क्या होगा असर?

चीनी की बढ़ती कीमतों ने त्योहारों से पहले आम लोगों की चिंता बढ़ा दी है। बाजार में भाव 60-65 रुपये किलो तक पहुंचने के बीच सरकार ने कीमतों पर काबू पाने के लिए 10 लाख टन कच्ची चीनी शुल्क-मुक्त आयात करने का फैसला किया है। सवाल सिर्फ चीनी के महंगे होने का नहीं, बल्कि यह है कि आने वाले दिनों में इसकी कीमतें कहां तक जाएंगी और क्या सरकार का आयात वाला कदम त्योहारों से पहले राहत दिला पाएगा?देश में चीनी की कीमतों में लगातार तेजी देखने को मिल रही है। कुछ बाजारों में इसके दाम 65 रुपये प्रति किलो तक पहुंचने की खबरें हैं। इस बीच केंद्र सरकार ने 10 लाख मीट्रिक टन कच्ची चीनी बिना आयात शुल्क के मंगाने की अनुमति दी है। दस साल बाद ऐसा होगा जब भारत को चीनी का आयात करना पड़ रहा है। ऐसे में सवाल उठता है कि चीनी के दाम अचानक क्यों बढ़ रहे हैं? क्या देश में चीनी की कमी है या आपूर्ति को लेकर समस्या है?

चीनी के दाम क्यों बढ़ रहे हैं?

चीनी की कीमतों में तेजी की सबसे बड़ी वजह घरेलू बाजार में इसकी उपलब्धता को लेकर बढ़ता दबाव है। देश में चीनी उत्पादन पिछले कुछ वर्षों में लगातार एक जैसा नहीं रहा है। कभी उत्पादन रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा तो कभी इसमें गिरावट देखने को मिली। 15 अप्रैल 2026 तक देश में 273.90 लाख मीट्रिक टन चीनी का उत्पादन हो चुका था। इस दौरान देशभर में 541 चीनी मिलें चल रही थीं और उन्होंने 2,865.21 लाख मीट्रिक टन गन्ने की पेराई की। गन्ने से चीनी निकलने की औसत दर 9.56 प्रतिशत रही।

Gold Silver Price: दिल्ली में सोने का भाव 2,000 रुपये उछला चांदी भी चमकी; वैश्विक तनाव से बाजार में हलचल

वैश्विक बाजार में सोने-चांदी की क्या स्थिति है?

वैश्विक स्तर पर हाजिर सोने का कारोबार 0.5 फीसदी की गिरावट के साथ 4,394.57 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस पर हुआ। चांदी के भाव में भी गिरावट दर्ज की गई। यह एक फीसदी से अधिक गिरकर 65.08 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस पर आ गई। मीराए एसेट शेयरखान में कमोडिटीज प्रमुख प्रवीण सिंह ने इस पर टिप्पणी की। उन्होंने बताया कि पश्चिम एशिया से उत्पन्न आपूर्ति संबंधी चिंताओं के कारण कच्चा तेल उछला। इसी वजह से सोना 4,392 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस के आसपास मंडरा रहा था।कोटक सिक्योरिटीज में कमोडिटी रिसर्च के सहायक उपाध्यक्ष कायनात चैनवाला ने कहा कि मजबूत अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड और कुछ मुनाफावसूली के कारण हाजिर चांदी में 65 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस की ओर नरमी आई। चैनवाला ने यह भी बताया कि इस गिरावट के बावजूद, बुलियन के लिए व्यापक पृष्ठभूमि सकारात्मक बनी हुई है। इसे नरम फेड दर की उम्मीदों, चीन के नेतृत्व में केंद्रीय बैंकों की लगातार खरीदारी और स्थिर निवेश मांग से समर्थन मिल रहा है।

दिल्ली में सोने का भाव 2,000 रुपये बढ़कर 1.58 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया, जबकि चांदी भी 730 रुपये चढ़ी। खुदरा विक्रेताओं और जमाखोरों की खरीदारी के साथ पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल ने धातुओं को सहारा दिया। आइए इस बारे में विस्तार से जानते हैं। देश की राजधानी दिल्ली में मंगलवार को सोने की कीमत में 2,000 रुपये की बड़ी वृद्धि दर्ज की गई। खुदरा विक्रेताओं और जमाखोरों की बढ़ी हुई खरीदारी के कारण यह लगातार दूसरे सत्र में बढ़त पर रहा। चांदी के भाव में भी 730 रुपये का उछाल आया। 99.9 फीसदी शुद्धता वाले सोने का भाव 1,58,800 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) हो गया। सोमवार को यह 1,56,800 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। अखिल भारतीय सर्राफा एसोसिएशन के अनुसार, चांदी भी 2,40,730 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) पर पहुंच गई। यह दो सत्रों तक 2,40,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर स्थिर रही।

The Bonus Market Update: बाजार में गिरावट का दौर जारी; सेंसेक्स 50 अंक से अधिक लुढ़का, निफ्टी 24,250 के नीचे

बाजार में गिरावट की मुख्य वजह क्या है?

भारतीय शेयर बाजार में शुक्रवार की गिरावट के पीछे दो प्रमुख कारण रहे। पहला, अमेरिकी शेयर बाजार वॉल स्ट्रीट में पिछली रात हुई भारी गिरावट का असर भारतीय बाजार पर पड़ा। दूसरा, कच्चे तेल की कीमतों में लगातार वृद्धि भी बाजार के लिए चिंता का विषय बनी हुई है। इन वैश्विक संकेतों ने निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया। इससे बाजार में बिकवाली का दबाव बढ़ गया।गुरुवार, 20 अगस्त को घरेलू इक्विटी बाजार में उछाल देखा गया था। निफ्टी में 0.6 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई थी। इस दिन भारतीय इक्विटी बेंचमार्क ने सात सत्रों से चली आ रही गिरावट की श्रृंखला को तोड़ा था। निवेशकों ने निचले स्तरों पर मूल्य खरीदारी की थी। इससे बाजार को कुछ राहत मिली थी।विश्लेषकों का अनुमान है कि भारतीय बाजार सीमित दायरे में रह सकते हैं। हालांकि, हल्की सुधार की संभावना भी बनी हुई है। मजबूत वैश्विक संकेत भी बाजार को सहारा दे सकते हैं।

भारतीय शेयर बाजार में शुक्रवार, 21 अगस्त को गिरावट दर्ज की गई। सेंसेक्स 50 अंक से अधिक गिरा, जबकि निफ्टी 24,250 के नीचे आ गया। वॉल स्ट्रीट में नुकसान और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों का असर दिखा। आईटी शेयरों में भी गिरावट आई।भारतीय शेयर बार में शुक्रवार, 21 अगस्त को गिरावट का रुख रहा। प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स 50 अंक से अधिक लुढ़क गया। वहीं, निफ्टी भी 24,250 के महत्वपूर्ण स्तर से नीचे आ गया। यह गिरावट वॉल स्ट्रीट में रात भर के नुकसान और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के कारण हुई। आईटी शेयरों में भी बिकवाली का दबाव देखा गया।गुरुवार, 20 अगस्त को भारतीय इक्विटी बेंचमार्क ने सात सत्रों की लगातार गिरावट को रोका था। हालांकि, शुक्रवार को बाजार इस सुधार को बनाए रखने में संघर्ष करता दिखा। सुबह 09:33 बजे सेंसेक्स 77,486.07 अंक पर कारोबार कर रहा था। इसमें 51.65 अंक या 0.06 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। निफ्टी 50 भी 24,219.20 अंक पर था। इसमें 12.65 अंक या 0.05 फीसदी की कमी आई।सात लगातार सत्रों की गिरावट के बाद मूल्य खरीदारी इसका समर्थन कर सकती है।

स्पिरिट' विवाद में निर्माता के दावों पर दीपिका ने दी प्रतिक्रिया

Deepika Padukone: ऐसा लगता है कि दीपिका पादुकोण ने 'स्पिरिट' से उनके बाहर होने को लेकर हुए हालिया विवाद पर प्रतिक्रिया दी है। प्रणय रेड्डी वांगा के 10 प्रतिशत मुनाफा की मांग वाले दावों के बाद, अभिनेत्री ने इशारों-इशारों में अपनी प्रतिक्रिया दी। बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री दीपिका पादुकोण के संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म 'स्पिरिट' से बाहर हुए एक साल से ज्यादा समय हो गया है। मगर इससे जुड़ा विवाद अभी भी खत्म नहीं हुआ है। उस समय दीपिका के बाहर निकलने और उससे जुड़ी खबरों ने काफी चर्चा बटोरीं थीं। यह मुद्दा अब फिर से सुर्खियों में आया, जब निर्देशक वांगा के भाई ने दावा किया कि दीपिका के बाहर निकलने की वजह उनकी 10 प्रतिशत फायदे की मांग को न मानना था। इसके बाद, सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में दोनों प्रणय वांगा के बयान पर सवाल उठाए गए। दीपिका ने इसका समर्थन किया है। शुक्रवार को एक यूजर ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट के जरिए एक लंबा नोट शेयर किया।

प्रणय वांगा के हालिया बयान का जिक्र करते हुए पोस्ट में लिखा गया 'संदीप रेड्डी वांगा के भाई प्रणय का दावा है कि दीपिका पादुकोण ने 'स्पिरिट' के फायदे में 10 प्रतिशत हिस्सेदारी मांगी थी। मैं बस सोच रही हूं, क्या हम भूल गए हैं कि पुरुष अभिनेता वर्षों से ऐसा करते आ रहे हैं? जब कोई महिला ऐसा करती है, तो यह खबर क्यों बन जाती है?'

पोस्ट में यूजर ने उस दोहरे मापदंड पर सवाल उठाया गया। पोस्ट में आगे लिखा गया 'एक महिला ने डील ठुकरा दी, और महिला-विरोधी सोच एक महिला के 'ना' को बर्दाश्त नहीं कर पाई।' दीपिका पादुकोण ने पोस्ट को लाइक करके अपना समर्थन दिखाया। शनिवार सुबह तक, 12 घंटों में पोस्ट को 8 हजार से ज्यादा लाइक्स और लगभग 2 हजार रीपोस्ट और शेयर मिले, जिससे दीपिका के कई फैंस का समर्थन जाहिर हुआ। प्रणय के अनुसार, संदीप लगभग डेढ़ साल से दीपिका पादुकोण के संपर्क में थे और उन्हें कास्ट करना चाहते थे।

Akshay Kumar: सब केसर बेच रहे हैं

पत्रकार के सवाल पर अक्षय कुमार ने दिया मजेदार रिएक्शन

Akshay Kumar Viral Video: अक्षय कुमार भी कभी विमल के विज्ञापन का हिस्सा रहे हैं, लेकिन ट्रोलिंग के बाद उन्होंने इस ब्रांड से दूरी बना ली थी। अब उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार हाल ही में एक मीडिया इवेंट में ऐसे सवाल का सामना कर बैठे, जिसे सुनकर वह खुद भी अपनी हंसी नहीं रोक पाए। दरअसल, एक महिला पत्रकार ने उनसे 'केसर' को लेकर ऐसा सवाल पूछ लिया, जिसका कनेक्शन इन दिनों चल रहे विमल इलायची विवाद से था। यह पूरा मामला उस समय हुआ जब अक्षय कुमार को एसर के नए ब्रांड एंबेसडर के तौर पर इवेंट में पेश किया गया। इस दौरान एक महिला पत्रकार ने मजाकिया अंदाज में उनसे पूछा, 'सब केसर बेच रहे हैं, आप एसर बेच रहे हैं?' पत्रकार का सवाल सुनकर अक्षय कुमार पहले तो चौंके और फिर जोर से हंसने लगे। उन्होंने इस सवाल का कोई सीधा जवाब नहीं दिया, लेकिन उनका रिएक्शन अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

कभी विमल के विज्ञापन का हिस्सा थे अक्षय

- अक्षय कुमार खुद भी पहले विमल के विज्ञापन अभियान का हिस्सा रह चुके हैं।
- हालांकि, विज्ञापन को लेकर सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग होने के बाद उन्होंने ब्रांड से दूरी बना ली थी।
- अब एक बार फिर विमल के विज्ञापन को लेकर चर्चा तेज है और इसी बीच अक्षय का यह मजेदार पल लोगों का ध्यान खींच रहा है। शाहरुख, अजय और टाइगर को मिला नोटिस
- दरअसल, कुछ दिनों पहले शाहरुख खान, अजय देवगन और टाइगर श्रॉफ को विमल इलायची के विज्ञापन में नजर आने को लेकर महाराष्ट्र फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (FDA) की तरफ से नोटिस भेजे जाने की खबर सामने आई थी

कैसा होना चाहिए रवि किशन की बेटी का पार्टनर?

रीवा ने डेटिंग को लेकर बताई अपनी पसंद

Ravi Kishan Daughter: रवि किशन की बेटी रीवा ने बताया है कि उनका पार्टनर बनने के लिए किसी शख्स के अंदर कौन सी खूबी होनी चाहिए। इस मामले में उन्होंने अपने पिता का भी जिक्र किया है। भोजपुरी सुपरस्टार और पॉलिटिशियन रवि किशन की बेटी रीवा किशन ने बताया है कि डेटिंग अभी उनकी प्रायोरिटी लिस्ट में नहीं है। हाल ही में रियलिटी शो 'अलायंस' में हिस्सा लेने वाली अभिनेत्री ने कहा कि वह अपनी जिंदगी के इस पड़ाव पर अपने परिवार और करियर पर ज्यादा फोकस कर रही हैं। हालांकि, जब उनसे पूछा गया कि किसी को उनका दिल जीतने के लिए क्या चाहिए, तो रीवा ने मजेदार जवाब दिया। जब रीवा से पूछा गया कि क्या वह अपने किसी फैन को डेट करने के लिए तैयार हैं

पिता से लेनी होगी इजाजत

जब उनसे पूछा गया कि किसी की कौन सी खूबियां उनका दिल जीत सकती हैं? तो रीवा ने अपने पिता को बातचीत में शामिल कर लिया। उन्होंने कहा 'माई गॉड, आपको पापा की इजाजत लेनी पड़ेगी। पापा की इजाजत के बिना कुछ नहीं होता इस घर में, ये जान लो। अगर अच्छा खाना बनाना आता हो, शुद्ध शाकाहारी खाना बना सको, तो शायद सोचा जा सकता है। तब कुछ हद तक बात बन सकती है।' रीवा ने 'सब कुशल मंगल' से बॉलीवुड में डेब्यू किया, जिसमें उनके साथ एक्ट्रेस पद्मिनी कोल्हापुरी के बेटे प्रियांक शर्मा थे। करण कश्यप के निर्देशन में बनी 2020 की इस फिल्म ने इंडस्ट्री में उनका पहला बड़ा कदम रखा। यह पूछे जाने पर कि क्या रवि किशन की बेटी होने से उनका सफर आसान हुआ, इस पर उन्होंने कहा 'हां, आपको रेफर किया जा सकता है क्योंकि मैं अपने पिता की बेटी हूं। लोग जानते हैं और वे आपसे संपर्क कर सकते हैं। मगर आपको खुद को साबित करना होगा और खुद को साबित करने में मेहनत लगती है।'

कौन हैं गैब्रिएला डेमेट्रिएड्स? 16 की उम्र में शुरू की थी मॉडलिंग कुछ ऐसे हुई अर्जुन रामपाल से पहली मुलाकात

Who is Gabriella Demetriades: बॉलीवुड अभिनेता अर्जुन रामपाल ने शुक्रवार को गोवा में गर्लफ्रेंड गैब्रिएला डेमेट्रिएड्स के साथ अपनी शादी को रजिस्टर करवाया। अर्जुन रामपाल और गैब्रिएला 2018 से एक-दूसरे के साथ हैं। दोनों ने हाल ही में गोवा में कोर्ट मैरिज कर अपने रिश्ते को कानूनी रूप दे दिया है।

दोनों ने गोवा के बारदेज सब-रजिस्ट्रार ऑफिस में शादी रजिस्टर कराई। शादी के बाद एक बार फिर गैब्रिएला के काम, उनकी सोशल मीडिया मौजूदगी और उनकी फैमिली लाइफ को लेकर लोगों की दिलचस्पी बढ़ गई है। अर्जुन रामपाल और गैब्रिएला डेमेट्रिएड्स की पहली मुलाकात काफी समय पहले एक कॉमन फ्रेंड (रजत पटेल) की पार्टी में हुई थी, जब गैब्रिएला बहुत कम उम्र की थीं। हालांकि, तब दोनों के बीच कोई खास बातचीत या जुड़ाव नहीं हुआ था। इसके काफी समय बाद, जब दोनों अपने पिछले रिश्तों से बाहर आए, तो वे दोबारा मिले और एक-दूसरे के करीब आए मॉडलिंग के साथ गैब्रिएला ने एक्टिंग में भी हाथ आजमाया। उन्होंने 'इश्क झमेला', 'सोनाली केबल' और तेलुगु-तमिल फिल्म 'ऊपिरी' जैसी फिल्मों में काम किया है। गैब्रिएला सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनके करीब 7 लाख फॉलोअर्स हैं।

पैसा और प्यार में से किसको चुनेंगी निया शर्मा?

टीवी अभिनेत्री ने दिया दो-टूक जवाब फैंस ने भी दी प्रतिक्रिया

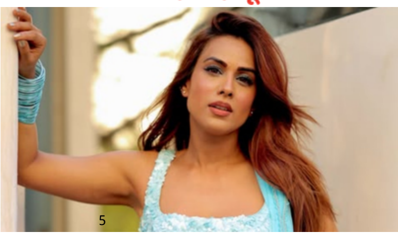

Nia Sharma Viral Video: निया शर्मा टीवी की उन अभिनेत्रियों में शामिल हैं, जो अपने बोल्ड लुक और बयानों के लिए जानी जाती हैं। हाल ही में निया शर्मा ने बताया कि वह प्यार और पैसे में से किसका चुनाव करेंगी? निया शर्मा को टीवी सीरियल 'जमाई राजा' और 'नागिन 4' के जरिए घर-घर पहचान मिली थी। इसके अलावा वह कई रियलिटी शो में भी नजर आ चुकी हैं। हाल ही निया 'लाफ्टर शेफ' के सेट पर नजर आईं। यहां पैपराजी ने उनसे सवाल किया कि वह प्यार और पैसे में से किसे चुनेगी? इस पर क्या रहा अभिनेत्री का जवाब, जानिए? पैपराजी के सामने निया शर्मा नारंगी रंग के सूट-सलवार में आईं। वह 'लाफ्टर शेफ' का एपिसोड शूट करने आई थीं। इस सेट पर उन्होंने पैपराजी को कहा, 'वह प्यार और पैसे मे से पैसे को चुनेंगी।'

जब फैंस ने निया शर्मा जवाब सुना तो कई सोशल मीडिया यूजर्स ने उन्हें सही बताया। इसके अलावा कुछ फैंस ने निया के लुक को सराहा और हार्ट इमोजी शेयर किए। निया शर्मा की इंस्टाग्राम पर अच्छी खासी फैन फॉलोइंग है। उनके लगभग 8 मिलियन से अधिक फॉलोअर्स हैं। 'नागिन 4' में निया शर्मा ने लीड रोल किया था। अब तक इस टीवी शो के सात सीजन आ चुके हैं, जिनमें मौनी रॉय के अलावा, सुरभि ज्योति, सुरभि चांदना, अदा खान, तेजस्वी प्रकाश और प्रियंका चाहर चौधरी ने लीड रोल किए थे। बीते दिनों इस शो की प्रोड्यूसर एकता कपूर ने एक वीडियो में सभी अभिनेत्रियों की झलक दिखाई है। साथ ही बताया

Awarapan 3: क्या बन रही 'आवारापन 3'?

फिल्म को लेकर बिलाल सिद्दीकी का बड़ा खुलासा

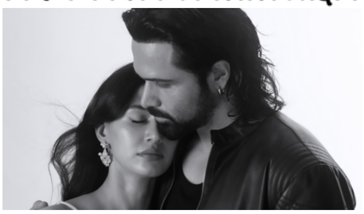

Awarapan 2: एक्टर इमरान हाशमी की फिल्म 'आवारापन 2' बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त कमाई कर रही है। अब फिल्म के तीसरे पार्ट को लेकर राइटर बिलाल सिद्दीकी ने बड़ा खुलासा किया है। जानिए उन्होंने क्या कुछ कहा। इमरान हाशमी और दिशा पटानी की फिल्म 'आवारापन 2' 14 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। फिल्म को लेकर फैंस में जबरदस्त क्रेज देखने को मिल रहा है। अब इसके तीसरे पार्ट पर भी बड़ा अपडेट सामने आया है। इंडिया टुडे को दिए इंटरव्यू में जब बिलाल से पूछा गया कि क्या शिवम की कहानी इसके तीसरे पार्ट में आगे बढ़ सकती है? तब उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि विशाल (प्रोड्यूसर) ने पार्ट 2 का अंत इस तरह रखा है

कि अगर वह चाहें तो कहानी को आगे बढ़ा सकते हैं। इसलिए, हम अभी उनसे और उनके प्लान के बारे में सुनने का इंतजार कर रहे हैं। मुझे यकीन है कि फैंस शिवम के किरदार को इतना पसंद करते हैं कि वे उसे एक और पार्ट में जरूर देखना चाहेंगे। मेरे दिमाग में भी यही था कि पार्ट 3 की कहानी कैसी हो सकती है या उसे किस तरह आगे बढ़ाया जा सकता है। लेकिन अभी तक कोई कहानी तय नहीं हुई है। किसी ने अभी तक उस पर काम भी शुरू नहीं किया है।' नितिन कक्कड़ निर्देशित फिल्म 'आवारापन 2' की कहानी की बात की जाए तो इसमें शिवम (इमरान) को दिवंगत प्रेमिका (श्रिया सरन) की कब्र पर एक लावारिस बच्ची मिलती है। वह उसका नाम आलिया रखता है। शिवम उसे अनाथालय में छोड़ देता है। यह फिल्म 2007 में रिलीज हुई

कैसी है अर्जुन बिजलानी की हालत? एक्सीडेंट के बाद दी अपडेट फैंस और कार को लेकर अभिनेता ने कही ये बात

Arjun Bijlani: कार हादसे के बाद अर्जुन बिजलानी ने अपनी सेहत की अपडेट दी है। उन्होंने अपने फैंस और परिवार वालों को धन्यवाद कहा है। आइए जानते हैं उनकी हालत कैसी है? हाल ही में खबर आई कि अर्जुन बिजलानी की कार का एक्सीडेंट हो गया है। इस हादसे से उनके फैंस उनकी सेहत को लेकर परेशान हो गए। अब अभिनेता ने इंस्टाग्राम वीडियो के जरिए सभी को भरोसा दिलाया कि वह बिल्कुल ठीक हैं। उन्होंने यह भी बताया कि उनकी कार को थोड़ा नुकसान पहुंचा है और उसे ठीक कराने की जरूरत है।

- क्या बोले अर्जुन बिजलानी?वीडियो में अर्जुन ने कहा, 'दोस्तों, मैं बिल्कुल ठीक हूं।'
- उन्होंने एक्सीडेंट के बाद उनका हाल-चाल पूछने के लिए अपने दोस्तों और परिवार का भी शुक्रिया अदा किया।
- उन्होंने कहा, 'मैं अपने उन दोस्तों और परिवार वालों का शुक्रिया अदा करना चाहता हूं।'
- जिन्होंने मुझे कॉल किया और मेरी सेहत के बारे में पूछा। उनका धन्यवाद। मैं बिल्कुल ठीक हूं।
- इस घटना को बहुत छोटा एक्सीडेंट बताते हुए अर्जुन ने कहा, बेशक कार को ठीक कराने की जरूरत है।
- उन्होंने अपने फैंस से कहा 'इतने प्यार के लिए धन्यवाद और अपना ख्याल रखें।'

कब हुआ अर्जुन बिजलानी का एक्सीडेंट?

अर्जुन बिजलानी का एक्सीडेंट गुरुवार, 20 अगस्त को मुंबई में हुआ। वह अपनी आने वाली नेटफ्लिक्स सीरीज 'चुंबक' के प्रमोशन के बाद लौट रहे थे। खबरों के मुताबिक, प्रमोशन के बाद लौटते समय उनकी कार का एक्सीडेंट हुआ। अर्जुन और उनके साथ यात्रा कर रहे अन्य लोग सुरक्षित बच गए और किसी को गंभीर चोट नहीं आई। हाल के दिनों में, अर्जुन बिजलानी टेलीविजन और ओटीटी प्रोजेक्ट्स के बीच तालमेल बिठा रहे हैं। उन्हें आखिरी बार 'लाफ्टर शेफ्स– अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट सीजन 3' में देखा गया था जहां वह रियलिटी शो की कास्ट का हिस्सा थे। बाद में भारती सिंह के मैटरनिटी ब्रेक के दौरान उन्होंने कुछ एपिसोड होस्ट भी किए थे। वह अक्टूबर 2025 में 'राइज एंड फॉल' के विनर भी बने थे।

Aaj Ka Rashifal 22 August

इन 4 राशि वालों को होगा धन लाभ, काम को लेकर मिलेगी बड़ी खुशखबरी

Aaj Ka Rashifal 22 August 2026: आज का दिन मेष, कर्क, सिंह, कन्या, कुंभ सहित सभी के लिए कैसा रहेगा, आइए जानते हैं।

Aaj Ka Rashifal 22 August 2026: आज का दिन कुछ राशियों के लिए नए अवसर लेकर आ सकता है। जातकों को यात्रा में मौके और रिश्तों में प्रेम महसूस होगा। वहीं, कुछ लोगों को कामकाज में चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में आइए जानते हैं कि 22 अगस्त 2026 का दिन सभी 12 राशियों के लिए कैसा रहेगा।

मेष

आज आपको एक जरूरी बात समझ आएगी कि कमाई के साथ पैसों को संभालना भी उतना ही जरूरी है। खर्च बढ़ सकते हैं, इसलिए दिखावे पर पैसा खर्च करने से बचें, वरना बचत प्रभावित हो सकती है। अच्छी बात यह है कि आपकी मेहनत की तारीफ होगी और अधिकारी भी आपके प्रदर्शन से खुश नजर आएंगे। सरकारी कामों को लेकर थोड़ी चिंता रहेगी, लेकिन आखिरकार समाधान निकल सकता है। घर में माता-पिता से बातचीत करते समय शब्दों का ध्यान रखें, क्योंकि छोटी बात भी बड़ा मुद्दा बन सकती है।

वृषभ

आज आपकी कार्यकुशलता आपकी सबसे बड़ी ताकत बनेगी। भाग्य का साथ मिलने से जिस काम में हाथ डालेंगे, उसमें सफलता की उम्मीद रहेगी। पुराने कर्ज को चुकाने की दिशा में कोई महत्वपूर्ण कदम उठा सकते हैं। प्रॉपर्टी से जुड़ा बड़ा फैसला भी संभव है। भाई-बहनों के साथ अगर किसी बात को लेकर दूरी बनी हुई थी, तो उसे खत्म करने का अच्छा मौका मिलेगा। रिश्तों को संभालने में आपकी समझदारी आज काम आएगी।

मिथुन

आज अपनी बुद्धि और समझदारी का सही इस्तेमाल करने का दिन है। आपके कुछ फैसले आसपास के लोगों को चौंका सकते हैं, लेकिन उनका असर सकारात्मक रह सकता है। सामाजिक या राजनीतिक क्षेत्र में आपकी छवि मजबूत होगी और लोगों का समर्थन बढ़ेगा। घर के छोटे बच्चे आपसे कोई खास चीज मांग सकते हैं और उनकी इच्छा पूरी करके आपको भी खुशी मिलेगी। विद्यार्थियों को पढ़ाई में पूरा फोकस रखना होगा। संतान से जुड़ी कोई अच्छी खबर मन को सुकून दे सकती है।

कर्क

आज आमदनी बढ़ाने के नए रास्ते दिखाई दे सकते हैं, हालांकि मन में हल्का तनाव भी बना रह सकता है। परिवार में किसी मामले को सुलझाने की जिम्मेदारी आपके ऊपर आ सकती है। हर बात में दखल देने के बजाय कुछ मामलों में चुप रहना ही बेहतर होगा। कारोबार में साझेदार का सहयोग मिलेगा, इसलिए अनावश्यक चिंता न करें। अगर आपने किसी को उधार पैसा दिया था, तो उसकी वापसी के संकेत हैं।

सिंह

आज आपको आगे बढ़ने के कई मौके मिल सकते हैं, लेकिन अचानक आने वाले खर्च आपकी योजना को थोड़ा प्रभावित कर सकते हैं। जीवनसाथी का पूरा सहयोग मिलेगा, जिससे आपका आत्मविश्वास मजबूत रहेगा। पिताजी की सेहत पर ध्यान देना जरूरी है। आपकी कोई पुरानी इच्छा पूरी हो सकती है, जिससे मन बेहद खुश होगा। विद्यार्थियों को पढ़ाई में जितना ज्यादा फोकस करेंगे, उतनी जल्दी सफलता मिलेगी। घर में किसी मेहमान के आने से माहौल खुशनुमा हो सकता है।

कन्या

आज अपनी वाणी और व्यवहार पर विशेष ध्यान दें। आपकी कही हुई एक छोटी सी बात भी सामने वाले पर बड़ा असर डाल सकती है। माता-पिता का सहयोग मिलेगा और वैवाहिक जीवन में चल रही परेशानियां धीरे-धीरे कम होंगी। मौसम का असर सेहत पर पड़ सकता है, इसलिए लापरवाही न करें। अगर काफी समय से घूमने का प्लान बना रहे थे, तो आज उसके पूरा होने की संभावना है। संतान से किया कोई वादा जरूर निभाएं, इससे आपका रिश्ता और मजबूत होगा।

तुला

आज कोई अच्छी खबर आपके चेहरे पर मुस्कान ला सकती है। लंबे समय से अटका हुआ पैसा वापस मिलने की संभावना है। कारोबार में कोई बड़ी डील फाइनल हो सकती है, जिससे आत्मविश्वास बढ़ेगा। बच्चों को खुश करने के लिए उनके लिए कुछ नया खरीद सकते हैं या उनके साथ घूमने जा सकते हैं। सामाजिक कार्यों में सक्रिय रहने से सम्मान और पहचान बढ़ेगी। हालांकि, आज भावनाओं में बहने के बजाय दिमाग से फैसला लेना ज्यादा फायदेमंद रहेगा।

वृश्चिक

आज अपनी बातों पर नियंत्रण रखना बेहद जरूरी होगा। गलत समय पर कहा गया एक शब्द रिश्तों में दूरी पैदा कर सकता है। किसी अनजान व्यक्ति की बातों में आकर फैसला न लें, वरना नुकसान हो सकता है। संतान की नौकरी को लेकर चल रही चिंता कम होने के संकेत हैं। मां से किया हुआ कोई वादा आज पूरा करना पड़ सकता है। परिवार में तालमेल की कमी से बहस हो सकती है, इसलिए शांत रहकर बात संभालें। सिंगल लोगों की किसी खास व्यक्ति से मुलाकात संभव है।

धनु

आज अचानक कोई लाभ मिल सकता है और ऐसी चीज हाथ लग सकती है जिसकी आपने उम्मीद भी नहीं की थी। हालांकि, अपनी वाणी पर संयम रखना जरूरी होगा। घर में किसी मांगलिक कार्यक्रम के आयोजन से खुशियों का माहौल बनेगा। जीवनशैली में सकारात्मक बदलाव आएंगे और आप खुद को पहले से ज्यादा बेहतर महसूस करेंगे। ऑफिस में बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है और अपनी क्षमता के बल पर आप उसे अच्छी तरह निभाएंगे। इससे प्रमोशन की राह भी खुल सकती है।

मकर

आज आपकी मेहनत ही सफलता की सबसे बड़ी कुंजी बनेगी। प्रेम जीवन में मधुरता रहेगी और साथी के साथ खूबसूरत पल बिताने का मौका मिलेगा। संतान की पढ़ाई को लेकर थोड़ी चिंता हो सकती है। किसी महत्वपूर्ण फैसले में मां की सलाह आपके लिए उपयोगी रहेगी। नया वाहन खरीदने की योजना आगे बढ़ सकती है। किसी काम में लंबे समय से आ रही रुकावट दोस्त की मदद से दूर हो जाएगी।

कुंभ

आज का दिन आपके लिए काफी अनुकूल नजर आ रहा है। लंबे समय से अटका हुआ पैसा वापस मिलने की अच्छी संभावना है। किसी रिश्तेदार के घर शुभ कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर मिलेगा। वाहन चलाते समय विशेष सावधानी बरतें, क्योंकि चोट लगने की आशंका बन रही है। नौकरी बदलने या नई नौकरी पाने की कोशिश कर रहे लोगों को आज अच्छी खबर मिल सकती है। अपने प्रयासों में कमी न आने दें।

मीन

आज परिवार के साथ समय बिताने से मन को सुकून मिलेगा। आपके दिमाग में कई नए विचार आएंगे और अगर उन्हें सही समय पर अमल में लाया, तो अच्छा फायदा मिल सकता है। सेहत को नजरअंदाज करना भारी पड़ सकता है, इसलिए शरीर के संकेतों को गंभीरता से लें। कोई पुराना अटका काम आज पूरा हो सकता है। यात्रा के दौरान कोई महत्वपूर्ण जानकारी हाथ लग सकती है, जो आगे आपके लिए उपयोगी साबित होगी। दोस्तों के साथ कहीं घूमने या खुशी के पल बिताने की योजना भी बन सकती है।

Aaj Ka Love Rashifal

इन 4 राशि वालों के रिश्ते होंगे मजबूत, सिंगल लोगों को मिल सकता है साथी

Love Rashifal 22 August 2026: आज का दिन प्रेम और रिश्तों के मामले में कुछ राशियों के लिए खास और कुछ के लिए परेशानियां वाला हो सकता है। आइए जानते हैं सभी राशियों का लव राशिफल

Weekly Horoscope

इस सप्ताह इन 4 राशियों को करियर में मिलेगी बड़ी सफलता, भाग्य देगा हर कदम पर साथ

Weekly Horoscope 23 August to 29 August 2026: कैसा रहेगा आपके लिए अगस्त का नया सप्ताह ? जानें 23 से 29 अगस्त तक का साप्ताहिक राशिफल

Weekly Horoscope 23 August to 29 August 2026: अगस्त का नया सप्ताह कई राशियों के जीवन में खास बदलाव लेकर आ सकता है। ग्रहों और नक्षत्रों की बदलती चाल से जहां कुछ राशि वालों को करियर और कारोबार में बड़ी सफलता मिलने के योग बनेंगे, वहीं भाग्य भी उनका पूरा साथ देगा। हालांकि, कुछ राशियों को इस दौरान सोच-समझकर फैसले लेने और सावधानी बरतने की जरूरत होगी। आइए जानते हैं 23 अगस्त से 29 अगस्त 2026 तक का साप्ताहिक राशिफल।

Aaj Ka Ank Jyotish 22 August

इन मूलांक के लोग आज रहें अलर्ट, काम को लेकर बढ़ सकती हैं टेंशन

Ank Jyotish 22 August 2026: आइए जानते हैं 22 अगस्त को मूलांक 1 से 9 तक के जातकों के लिए दिन कैसा रहेगा, साथ ही जानें शुभ अंक और लकी कलर।

मूलांक 1
आज मन कुछ अशांत रह सकता है। काम को लेकर मानसिक उलझन भी बनी रह सकती है। व्यापार में लाभ पाने के लिए आपको अधिक मेहनत करनी पड़ सकती है। आज किसी भी नए काम को करने से पहले घर वालों से सलाह अवश्य लें।
शुभ अंक- 22
शुभ रंग- सफेद

मूलांक 2
आज का दिन सामान्य रह सकता है। आपको व्यापार में नए अवसर मिल सकते हैं। लेकिन किसी पर अधिक भरोसा परेशानियां बढ़ा सकता है। वहीं, आपकी सूझबूझ की तारीफ होगी। अपनी छिपी खूबियों को पहचानें और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ें।
शुभ अंक- 6
शुभ रंग- लाल

मूलांक 3
आज आपका अनुभव आपके बहुत काम आने वाला है। व्यवहार कौशल आपके काम आएगा। अपनी समझदारी से आप कई परिस्थितियों को बेहतर तरीके से संभाल सकते हैं। घर में कोई पूजा-पाठ से जुड़ा काम करा सकते हैं।
शुभ अंक- 7
शुभ रंग- नारंगी

मूलांक 4
आज नौकरी और व्यापार दोनों में संतुलन बना रहेगा। घर में कोई दस्तक देगा, जिससे अचानक माहौल बदल सकता है। वहीं, संतान पक्ष से कोई शुभ समाचार भी मिल सकता है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा।
शुभ अंक- 6
शुभ रंग- वायलेट

मूलांक 5
आज दोस्तों के साथ घूमने-फिरने या कुछ हल्की-फुल्की मस्ती करने के अवसर मिल सकते हैं। दोस्तों के साथ भी अच्छा समय बिताएंगे और मन आपका प्रसन्न रहने वाला है। रिश्तों में ऊर्जा भरपूर होगी।
शुभ अंक- 8
शुभ रंग- नारंगी

मूलांक 6
आज कामकाज में सतर्कता बरतें, वरना नुकसान उठाना पड़ सकता है। किसी भी तरह के लेनदेन से पहले घर में अवश्य सलाह लें। हालांकि, आप अपने नेतृत्व कौशल का प्रभाव भी दिखा पाएंगे। किसी यात्रा की प्लानिंग करने में भी आप सफल रहेंगे।
शुभ अंक- 4
शुभ रंग- केसरिया

Rahu Ketu Gochar: दिसंबर तक इन 3 राशि के लोगों पर रहेगी राहु-केतु की नजरें, उठाना पड़ सकता है नुकसान

Rahu Ketu Gochar In 2026 Kumbh And Singh: राहु और केतु साल के अंत में गोचर करेंगे। हालांकि, जबतक वह कुछ राशि वालों पर अपनी नजरें बनाकर रख सकते हैं। इससे जातकों को धन, यात्रा और सेहत से जुड़ी परेशानियां झेलनी पड़ सकती हैं।

Rahu Ketu Gochar In 2026 Kumbh And Singh: राहु और केतु ज्योतिष में बेहद प्रभावशाली ग्रह माने जाते हैं। हालांकि, इन्हें छाया ग्रह कहा जाता है। दोनों का स्वभाव अलग-अलग होने के कारण इनका प्रभाव भी जातकों के जीवन पर अलग-अलग रूपों में देखने को मिलता है। केतु जहां अध्यात्म और वैराग्य के कारक माने जाते हैं, वहीं राहु अचानक होने वाले बदलावों और अप्रत्याशित परिस्थितियों को दर्शाते हैं। वर्तमान में ये दोनों ग्रह शनि और सूर्य की राशि में विराजमान हैं। बता दें, राहु कुंभ में और केतु सिंह राशि में गोचर कर रहे हैं।

अब साल के अंत में ये दोनों ग्रह अपनी उल्टी चाल से अगला गोचर करेंगे। तब तक कुछ राशि वालों पर इनका विशेष प्रभाव बना रह सकता है। ऐसे में जातकों को काम, रिश्तों, यात्रा और सेहत के मामलों में सावधानी बरतने की आवश्यकता हो सकती है। आइए जानते हैं किन राशियों को दिसंबर तक संभलकर रहने की जरूरत है।

AUS vs BAN Live

ऑस्ट्रेलिया को लगे शुरुआती झटके बांग्लादेश की पहली पारी 64 पर ढेर स्टार्क को छह विकेट

Australia Vs Bangladesh 2nd Test Day 1 Live score: ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश के बीच दूसरे टेस्ट मैच का आज पहला दिन है। ऑस्ट्रेलिया ने इस मैच में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया और बांग्लादेश की पहली पारी 64 रन पर ऑलआउट कर दी। बांग्लादेश सीरीज में 1-0 से आगे है। ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे टेस्ट मैच के पहले दिन बांग्लादेश की पहली पारी महज 64 रन पर ढेर कर दी है। अब ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी जारी है और उसने भी तीन विकेट गंवा दिए हैं। चायकाल तक ऑस्ट्रेलिया का पहली पारी में स्कोर तीन विकेट पर 50 रन है और वह अभी बांग्लादेश से 14 रन पीछे है। क्रीज पर स्टीव स्मिथ 6 और कैमरन ग्रीन 1 रन बनाकर मौजूद हैं। मैके में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया। तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने इसे सही साबित करने में ज्यादा देर नहीं लगाई और बांग्लादेश को झटके पर झटके दिए। स्थिति यह रही कि पहले ही सत्र में बांग्लादेश ने छह विकेट गंवा दिए। बांग्लादेश के लिए सबसे ज्यादा रन 11वें नंबर के बल्लेबाज शोरिफुल इस्लाम ने बनाए जो 14 रन बनाकर आउट हुए। मिचेल स्टार्क ने पहली पारी में शानदार गेंदबाजी की और शुरुआत से ही बांग्लादेश पर दबाव बनाया। स्टार्क पहली ही गेंद पर शादमान इस्लाम को पवेलियन भेजा और फिर अपने अगले ओवर की पहली गेंद पर तंजिद हसन तमीम को खाता खोले बिना आउट किया। अगली ही गेंद पर नजमुल हुसैन शांतो स्टार्क का तीसरा शिकार बने। स्टार्क हालांकि, हैट्रिक पूरी नहीं कर सके। स्टार्क ने फिर कैमरन ग्रीन के हाथों मोमिनुल हक को कैच कराया जो नौ रन बनाकर आउट हुए

सांसद पप्पू यादव के बेटे सार्थक का बल्ले से जलवा DPL में 473 रन ठोककर बने नंबर-1 बल्लेबाज

दिल्ली प्रीमियर लीग 2026

सार्थक रंजन का तूफानी फॉर्म

मैच	8
रन	473
स्ट्राइक रेट	166.54
100/50	0/6
चौके	41

दिल्ली प्रीमियर लीग 2026 में नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स के कप्तान सार्थक रंजन का बल्ला जमकर बोल रहा है। आठ पारियों में 473 रन बनाकर वह टूर्नामेंट के टॉप स्कोरर हैं और 166.54 के स्ट्राइक रेट के साथ लगातार शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) 2026 में नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स के कप्तान सार्थक रंजन इन दिनों अपने बल्ले से खूब सुर्खियां बटोर रहे हैं। लगातार बड़ी पारियां खेल रहे सार्थक इस सीजन टूर्नामेंट के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाजों में शामिल हो गए हैं। मौजूदा आंकड़ों पर नजर डालें तो सार्थक आठ पारियों में 473 रन बना चुके हैं और फिलहाल सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में शीर्ष पर हैं।

160+ के स्ट्राइक रेट से मचा रहे धमाल

सार्थक की बल्लेबाजी की खास बात सिर्फ उनके रनों की संख्या नहीं, बल्कि जिस अंदाज में वह रन बना रहे हैं, वह भी है। उनका स्ट्राइक रेट 166.54 का है। इस दौरान उनका बल्लेबाजी औसत 59.13 रहा है। सार्थक ने अब तक एक भी शतक नहीं लगाया है, लेकिन छह अर्धशतक जड़ चुके हैं। यानी आठ पारियों में छह बार उन्होंने 50 रन का आंकड़ा पार किया है, जो उनकी निरंतरता को साफ तौर पर दिखाता है। सार्थक रंजन ने डीपीएल 2026 में अब तक आठ मैच खेले हैं और सभी आठ पारियों में बल्लेबाजी की है। उनके नाम 473 रन हैं। उनका सर्वोच्च स्कोर 95 रन रहा है। 473 रन बनाने के दौरान सार्थक ने गेंदबाजों पर लगातार दबाव बनाए रखा है। उनके बल्ले से अब तक 41 चौके और 32 छक्के निकल चुके हैं। यानी 73 बाउंड्री के जरिए ही वह 356 रन बटोर चुके हैं। यह आंकड़ा बताता है कि सार्थक सिर्फ क्रीज पर टिककर रन बनाने वाले बल्लेबाज नहीं हैं, बल्कि मौका मिलते ही बड़े शॉट लगाने से भी पीछे नहीं हटते।

ODI World Cup 2027

वनडे विश्वकप को लेकर हरभजन की कोच गंभीर को खास सलाह

4-5 महीने पहले ही ऐसा कर लेने को कहा

वनडे विश्व कप 2027 में अब करीब एक साल का वक्त है, लेकिन टीम इंडिया को लेकर मंथन अभी से तेज है। पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह ने कोच गौतम गंभीर को खास सलाह देते हुए टीम को विश्व कप से चार-पांच महीने पहले तक तय करने की बात कही है। सवाल है कि गंभीर कब तक प्रयोग जारी रखेंगे? वनडे विश्वकप 2027 को आने में अभी लगभग एक साल का वक्त बचा है। हालांकि, सभी टीमें इसकी तैयारियों में जुट गई हैं। कुछ टीमें लगातार प्रयोग कर रही हैं, वहीं कुछ टीमों की नजर अपने कोर खिलाड़ियों को लगातार मौका देने पर है। इसी कड़ी में भारत के पूर्व दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने टीम इंडिया के कोच गौतम गंभीर को खास सलाह दी है। उन्होंने कहा है कि गंभीर को अभी जितने प्रयोग करने हैं कर लें, लेकिन विश्वकप शुरू होने से चार-पांच महीने पहले टीम तय करना होगा और उन्हें पता होना चाहिए कि कौन से 15 खिलाड़ी विश्वकप खेलने जा रहे हैं।

भज्जी ने गंभीर को क्या दी सलाह?

न्यूज एजेंसी पीटीआई को दिए इंटरव्यू में हरभजन ने कहा, 'भारतीय टीम में कई विकल्प हैं और उनमें से किसी एक को चुनना बेहद मुश्किल है। लेकिन गौतम गंभीर और उनकी कोचिंग टीम को कड़ी मेहनत करनी होगी। उन्हें उन वेन्यू और कंडीशन का पता करना होगा, जिनमें भारत 2027 वनडे विश्वकप खेलने जा रहा है। गंभीर को फिर उसी के मुताबिक टीम बनानी होगी। एक साल का समय पर्याप्त समय है। मेरा मानना है कि विश्व कप शुरू होने से चार-पांच महीने पहले तक टीम तय हो जानी चाहिए। उन्हें कई चीजों को ध्यान में रखना होगा और अभी से प्रयोग करने होंगे, ताकि उन खिलाड़ियों की पहचान की जा सके जो टूर्नामेंट के दौरान भारत के लिए अपनी जिम्मेदारी अच्छी तरह निभा सकें।'

टीम में कई विकल्प होना अच्छा सिरदर्द'

हरभजन ने कहा, 'भारत के पास कई विकल्प हैं। जब आपके पास कई विकल्प होते हैं तो यह एक अच्छा सिरदर्द है।

हरभजन ने समझाया कोहली और धोनी की कप्तानी में अंतर

गंभीर पर कहा- वह दिल के अच्छे लोगों को सच पसंद नहीं

पूर्व भारतीय क्रिकेटर हरभजन सिंह ने विराट कोहली और महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी के बीच अंतर बताते हुए कहा कि कोहली ने टीम की सोच बदल दी। उन्होंने फिटनेस और फील्डिंग में कोहली के योगदान को भी अहम बताया। वहीं, गौतम गंभीर का बचाव करते हुए हरभजन ने कहा कि वह दिल के अच्छे हैं और सच बोलते हैं। भारतीय क्रिकेट में विराट कोहली और एमएस धोनी की कप्तानी के अंदाज में क्या फर्क था और मौजूदा कोच गौतम गंभीर को लेकर लोगों की राय क्यों अलग है? पूर्व भारतीय क्रिकेटर हरभजन सिंह ने दोनों मुद्दों पर खुलकर अपनी बात रखी। उन्होंने कोहली की कप्तानी की सबसे बड़ी खासियत बताते हुए गंभीर का भी बचाव किया और कहा कि वह दिल के अच्छे इंसान हैं, लेकिन लोगों को उनका सच बोलना पसंद नहीं आता। हरभजन ने 2010-11 के ऑस्ट्रेलिया दौरे का उदाहरण देते हुए कहा कि उस समय कोहली ने रन बनाने के साथ-साथ टीम की सोच पर भी असर डालना शुरू कर दिया था। उनके मुताबिक, धोनी की कप्तानी में जहां कई बार मुश्किल लक्ष्य को हासिल करना लगभग असंभव माना जाता था, वहीं कोहली का रवैया था कि लक्ष्य कितना भी बड़ा हो, उसे हासिल करने की कोशिश जरूर की जानी चाहिए। हरभजन ने कहा, 'विराट ने जो सबसे सरल बदलाव किया, वह मानसिकता का था। टेस्ट के पांचवें दिन कई बार ऐसी स्थिति आती थी जब हमें लगता था

AFG vs IRE ODI: दो शतक 231 रन की साझेदारी और बना ऐतिहासिक स्कोर आयरिश गेंदबाजों पर हावी हुए अफगानी बल्लेबाज

अटल और जादरान के शतकों का धमाल

अफगानिस्तान ने बनाया वनडे का सबसे बड़ा स्कोर

सेदिकुल्लाह अटल और इब्राहिम जादरान के शतकों की बदौलत अफगानिस्तान ने आयरलैंड के खिलाफ 343/9 का स्कोर बनाया। यह वनडे क्रिकेट में अफगानिस्तान का सबसे बड़ा स्कोर है, जबकि अटल-जादरान ने दूसरे विकेट के लिए 231 रनों की रिकॉर्ड साझेदारी की। अफगानिस्तान ने आयरलैंड के खिलाफ चौथे वनडे मुकाबले में शानदार बल्लेबाजी करते हुए इतिहास रच दिया। सेदिकुल्लाह अटल और इब्राहिम जादरान के शानदार शतकों की बदौलत अफगानिस्तान ने 50 ओवर में नौ विकेट खोकर 343 रन बनाए। यह वनडे क्रिकेट में अफगानिस्तान का अब तक का सबसे बड़ा स्कोर है। इससे पहले टीम का सर्वश्रेष्ठ स्कोर 339 रन था, जो उसने 2024 में श्रीलंका के खिलाफ बनाया था।

अटल-जादरान ने संभाली पारीटॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी अफगानिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही। सलामी बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज 12 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद इब्राहिम जादरान और सेदिकुल्लाह अटल ने पारी को संभालते हुए आयरिश गेंदबाजों पर दबाव बना दिया। दोनों बल्लेबाजों ने दूसरे विकेट के लिए 220 गेंदों में 231 रनों की रिकॉर्ड साझेदारी की। यह अफगानिस्तान की ओर से दूसरे विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी है

आखिरी ओवरों में लड़खड़ाई अफगानिस्तान की टीम

अटल और जादरान के आउट होने के बाद अफगानिस्तान की पारी थोड़ी धीमी पड़ गई। दरविश रसूली ने 14 गेंदों में 24 रन बनाए, जबकि अजमतुल्लाह उमरजई 12 गेंदों में 15 रन बनाकर आउट हुए। कप्तान रहमत शाह सिर्फ 2 रन बना सके। राशिद खान ने 10 गेंदों में 11 रन बनाए, जबकि हशमतुल्लाह शाहिदी 7 रन बनाकर नाबाद रहे। गजनफर खाता नहीं खोल सके। अफगानिस्तान ने आखिरी दो ओवरों में तीन विकेट गंवाए, जिसके कारण टीम 350 रन का आंकड़ा पार करने से चूक गई। आयरलैंड की ओर से बायरन मैकडोनो ने तीन विकेट लिए, जबकि मार्क रिचर्ड एडायर और गेविन होए को दो-दो सफलता मिली। 339 रन का रिकॉर्ड टूटा

अफगानिस्तान के 343 रन के साथ ही टीम ने अपना पिछला वनडे रिकॉर्ड तोड़ दिया। उसने 2024 में श्रीलंका के खिलाफ बनाए 339/6 के स्कोर को पीछे छोड़ते हुए वनडे क्रिकेट में अपना नया सर्वोच्च स्कोर बनाया। अटल और जादरान की शतकीय पारियों ने इस ऐतिहासिक स्कोर की नींव रखी। इब्राहिम जादरान ने शानदार लय में बल्लेबाजी करते हुए 118 गेंदों में 107 रन बनाए। उनकी पारी में 11 चौके और एक छक्का शामिल रहा। वहीं, सेदिकुल्लाह अटल ने इससे भी आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी की और 120 गेंदों में 143 रन ठोक दिए। उन्होंने अपनी पारी में 17 चौके और चार छक्के लगाए। अटल और जादरान की यह साझेदारी 50 ओवर के प्रारूप में अफगानिस्तान की किसी भी विकेट के लिए तीसरी सबसे बड़ी साझेदारी है। इसके अलावा, यह अफगानिस्तान के वनडे इतिहास में केवल चौथा मौका जब एक ही मैच में टीम के दो बल्लेबाजों ने शतक लगाए हैं।

लेखकों के वैचारिक दृष्टिकोण से या संवाददाताओं की खबरों से संपादक की सहमति-असहमति अनिवार्य नहीं है। किसी लेख या खबर के सन्दर्भ में आपत्ति या विरोध हो तो संपादकीय कार्यालय से सम्पर्क करें।
आपके स्पष्टीकरण को साक्ष्य प्रकाशित किया जाएगा।
– सम्पादक

R.N.I. No.
UPHIN/25/A4228
स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक
निर्भय कुमार सेंगर
के लिए 'प्लैनेट न्यूज़ इंडिया' प्रेस से छपकर,
बी-9, गायत्री भवन,
विक्रम कॉलोनी, चावला पेट्रोल पंप के पास,
रामघाट रोड, अलीगढ़
(उ.प्र.) से प्रकाशित।
मो. 9454428661
प्रधान संपादक- निर्भय कुमार सेंगर
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अलीगढ़ होगा)
Email:planetnewsindia776
@gmail.com

BOOK YOUR ADVERTISEMENT

+91-7088120300